+91 7014373732
marudharnews.com
info@marudharnews.com
खबरों और विज्ञापन हेतु संपर्क करे
हिन्दुस्तान की नई आवाज
मरूधर हिन्द
CIN NO.- U74999RJ2020PTC067985
UN NO.- RJ02D0022186
मरूधर हिन्द अब एक नए अंदाज में
वर्ष : 03 | अंक : 156 | जयपुर, शनिवार 09 जून 2022 | कुल पेज : 6

अमरनाथ गुफा के पास फटा बादल
15 श्रद्धालुओं की मौत, 40 लापता

भारी बारिश और बाढ़ की चेतावनी के बीच अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने से बाढ़ आ गई। तेज बहाव के साथ आया पानी लंगर और बड़े संख्या में टेंट बहा ले गया। खबर लिखे जाने तक 15 लोगों की मौत और चालीस से अधिक लोगों के लापता होने की सूचना है। घायलों को एयरलिफ्ट किया जा रहा है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ समेत आपदा प्रबंधन से जुड़ी तमाम एजेंसियां रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है। एनडीआरएफ के महानिदेशक अतुल करवाल ने बताया कि15 लोगों के शव बरामद किए गए हैं।

नई दिल्ली | एजेंसी

गुफा के ठीक सामने लगे टेंट से लोगों को फौरन पहाड़ की ढलान तक सुरक्षित पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि शाम करीब 5.30 बजे बादल फटने से पवित्र अमरनाथ गुफा के ऊपर बाईं ओर से अचानक तेज बहाव के साथ पानी आ गया। उस दौरान बारिश की फुहार के बीच हजारों यात्री गुफा के ठीक सामने अपने टेंट में थे। कुछ यात्री रेनकोट पहने बाहर भी खड़े थे। बाढ़ का पानी गुफा के सामने समतल मैदान के बीच से बहने लगा। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, पानी का तेज बहाव दो लंगर और 25 यात्री टेंट को चपेट में ले चुका था।

मोदी ने रेस्क्यू मिशन की जानकारी ली

हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से बात की। उन्होंने हादसे पर दुख जताया और पीड़ित लोगों तक हर मुमकिन मदद पहुंचाने की बात कही। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, 'बाबा अमरनाथ जी की गुफा के पास बादल फटने से आई बाढ़ के संबंध में मैंने एलजी मनोज सिन्हा जी से बात कर स्थिति की जानकारी ली है। लोगों की जान बचाना हमारी प्राथमिकता है। सभी श्रद्धालुओं की कुशलता की कामना करता हूं।'

अमरनाथ यात्रा स्थगित हेल्पलाइन नंबर जारी

जम्मू कश्मीर प्रशासन ने अमरनाथ यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। इस बीच सेना ने बड़ा बचाव अभियान शुरू किया है। यात्रियों और उनके परिजनों को जानकारी देने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बादल फटने के बाद अमरनाथ गुफा के सामने नाले में तेज बहाव के साथ पानी आ गया। उस दौरान आवाजाही कर रहे करीब पांच हजार यात्री मौजूद थे। बाढ़ का पानी गुफा के सामने समतल मैदान में बनाई गई टेंट सिटी में तीन लंगर और 40 के करीब टेंट साथ बहा ले गया। यात्रियों में भगदड़ मच गई। अमरनाथ गुफा के दोनों ही रास्ते कच्चे हैं। सड़कें इतनी संकरी हैं कि घोड़ों को भी एक-एक करके भेजा जाता है। गुफा के आसपास अस्थाई टेंट लगे हैं।

मप्र के 35 श्रद्धालु फंसे

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पवित्र अमरनाथ गुफा में फंसे श्रद्धालुओं की कुशलता की कामना की है। गुफा से 5 किमी पहले पंचतरिणी में मध्य प्रदेश के 35 लोग फंसे हैं। यात्रा संयोजक रिंकू भटेजा ने बताया कि, पंचतरिणी तक हालात सामान्य हैं और सभी लोग सुरक्षित हैं, लेकिन जो लोग भवन के पास पहुंच गए हैं, उनकी क्या स्थिति है, इसका अंदाजा नहीं लग पा रहा है। अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने से यात्रा को रोक दिया गया है। इसके चलते इंदौर से गए कई यात्री फंस गए हैं।

तीसरे चरण के बाद पंचायत चुनाव खत्म
आखिरी चरण में 78 फीसदी मतदान महिलाओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

स्टार समाचार | भोपाल

मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव शुक्रवार को खत्म हो गए है। तीसरे और अंतिम चरण में 78 फीसदी मतदान हुआ। इसमें भी महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में एक प्रतिशत अधिक मतदान किया। 79 प्रतिशत महिला और 78 प्रतिशत पुरुषों ने मताधिकार का उपयोग किया।

मतदान में 39 जिलों में गुना जिला अव्वल रहा। गुना जिले में 75 फीसदी मतदान हुआ है। उधर ग्वालियर चंबल अंचल के भिंड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी व बुंदेलखंड के छतरपुर-टीकमगढ़ में जिला पंचायत, जनपद पंचायत व पंचायतों के जनप्रतिनिधियों के लिए मतदान शांतिपूर्ण रहा। इस बार मतदान से पहले ही संवेदनशील क्षेत्रों के थानों में बुलडोजर रखकर सख्त हिदायत दी गई थी।

पीठासीन अधिकारी की मौत

शुजालपुर में ड्यूटी करने आए एक पीठासीन अधिकारी सत्येंद्र कुमार सिंह की गुरुवार रात को मौत हो गई, वे डडनिया गांव के कडवाला पोलिंग बूथ पर तैनात किए गए थे, अचानक रात करीब 2 बजे उनका स्वास्थ खराब हुआ, उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, बताया जा रहा है कि उनकी हार्ट अटैक से मौत हुई है।

फर्जी मतदान को लेकर झड़प

भिंड के गोरमी क्षेत्र के गांव मानहड़ में फर्जी मतदान को लेकर प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच में झड़प हो गई। पुलिस ने सभी को पोलिंग बूथ के दायरे से बाहर खदेड़ा। वहीं, मेहगांव जनपद में फर्जी मतदान की सूचना पर पुलिस हंसपुरा गांव पहुंची। मतदान केंद्र के अंदर घूम रहे शख्स को हिरासत में लिया है। यहां सरपंच प्रत्याशी खुशबू तोमर ने फर्जी मतदान की शिकायत की थी।

जनसंपर्क अधिकारी से मारपीट

गुना के आरोन जनपद में चुनाव के दौरान जनसंपर्क अधिकारी के साथ झूमाझटकी कर दी गई। उनके साथ गए कुछ लोग सिरसी गांव में पूर्व सरपंच से निर्वाचन गाइडलाइन का उल्लंघन करते हुए सवाल पूछ रहे थे। पूर्व सरपंच और उनके समर्थक भड़क गए। उन्होंने सबके साथ मारपीट की।

आज का पंचांग

विक्रम संवत् 2079
मास - आषाढ़

तिथि	- दशमी
वार	-शनिवार
पक्ष	- शुक्ल पक्ष
सूर्योदय	- 05.24 प्रातः
सूर्यास्त	- 06.59 सायं
चन्द्रोदय	- 02.22
नक्षत्र	- स्वाती
योग	- सिद्ध
सूर्यराशि	- मिथुन
चन्द्रराशि	- तुला/वृश्चिक
शुभकाल	05.45 से 07.06 प्रातः
राहुकाल	08.48 से 10.30 प्रातः

दिशा शूल : पूर्व

आवश्यक होने पर अदरक या उड़द खा कर यात्रा आरंभ करें।

भोपाल पुलिस ने की कार्रवाई, आरोपी ने बताया था दाउद का आदमी
साध्वी प्रज्ञा और अपर्णा यादव को धमकी देने वाले को किया गिरफ्तार

स्टार समाचार | भोपाल

भोपाल सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और अपर्णा यादव को फोन पर जान से मारने की धमकी देने वाले को क्राइम ब्रांच ने हैदराबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी शेख नाजिर हैदराबाद का रहने वाला है। वह 10वीं पास है। प्लंबिंग का काम करने दुबई गया था। यहां सोशल मीडिया में भड़काऊ तकरीरें (भाषण) सुने। इसमें सांसद प्रज्ञा समेत अन्य के खिलाफ में भड़काऊ बयान जारी किए गए थे। इसे सुनकर वह हिंसक हो गया। उसने सांसद को दुबई के नंबर से वाट्सऐप कॉल कर जान से मारने की धमकी दे डाली। डीसीपी क्राइम ब्रांच ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में बताया कि सांसद को धमकी देने से वह दुबई से दिल्ली आया था।

टीटी नगर थाने में दर्ज कराई थी शिकायत

भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने भोपाल के टीटी नगर थाने में 18 जून को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने था कहा कि किसी व्यक्ति ने उन्हें फोन पर धमकी दी है। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर का आदमी बताया। साथ ही यह भी कहा कि 'तुम्हारी हत्या होने वाली है, इसलिए फोन कर बता दिया।' साध्वी के साथ खड़े लोगों ने इस बातचीत का वीडियो भी रिकॉर्ड किया था।

हेमंत सोरेन के करीबी पंकज मिश्रा के 18 ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के राजनीतिक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ लगभग 18 स्थानों पर छापेमारी की। इस बीच गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 5 करोड़ रुपए से ज्यादा कैश और हजारों करोड़ की संपत्ति मिलने का दावा किया है। निशिकांत दुबे ने ट्वीट किया, "मुख्यमंत्री के इर्द-गिर्द लोगों की ईमानदारी आज सामने आ गई। ईडी के पंकज मिश्रा और उनके समर्थकों के यहां 5 करोड़ से ज्यादा नकद और हजारों करोड़ की संपत्ति मिली।

हिंदू स्टूडेंट आर्मी व विद्यार्थियों ने किया कॉलेज में हंगामा
कृषि कॉलेज के विद्यार्थी ने रैगिंग से परेशान होकर जान देने की कोशिश की

स्टार समाचार | भोपाल

भगंवतराव मंडलोई कृषि महाविद्यालय में रैगिंग का मामला सामने आया है। बीएससी प्रथम वर्ष के छात्र हरिओम पाटीदार ने सिनियर छात्रों पर रैगिंग का आरोप लगाते हुए कीटनाशक गटकने से हंगाम मच गया। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। इधर घटना के विरोध में हिंदू स्टूडेंट आर्मी के कार्यकर्ताओं ने कॉलेज पहुंचकर जमकर आक्रोश जताया। उन्होंने कालेज में रैगिंग के नाम पर छात्रों को परेशान करने वाले सिनियर और जिम्मेदार प्रोफेसर पर कार्रवाई की मांग की है। हिंदू स्टूडेंट आर्मी के माधव झा ने बताया महाविद्यालय प्रबंधन को छात्र ने पूर्व में शिकायत भी की थी लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

छात्र का इलाज जारी

इसलिए उसे जान देने की कोशिश जैसा कदम उठाना पड़ा। इस मामले की जांच कर दोषियों पर तत्काल कार्रवाई नहीं हुई तो स्टूडेंट आर्मी आंदोलन करेगी। जिला अस्पताल में भर्ती छात्र का उपचार चल रहा है। घटना के बाद कॉलेज प्रबंधन ने मामले से पल्ला झाड़ लिया। डीन एसपी मिश्र ने कहा कि स्टूडेंट ने मौखिक या लिखित में शिकायत नहीं की।

स्टार डायजेस्ट

दिल्ली एम्स में लालू की तबीयत में आया सुधार

नई दिल्ली। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की सेहत सुधर रही है। दिल्ली एम्स में लालू का इलाज कर रहे डॉक्टर का दावा है कि उनकी सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। सब ठीक रहा तो 2 दिन में उन्हें सीसीयू से निजी वार्ड में शिफ्ट किया जाएगा। लालू की बेटी मीसा भारती ने ट्विटर पर उनकी फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि आप सब की दुआओं और एम्स दिल्ली की बेस्ट मेडिकल केयर से लालू जी की तबीयत में काफी सुधार है।

भोपाल में पानी के गड्ढे में डूबने से 3 बच्चियों की मौत

भोपाल। बैरसिया इलाके में बर्री स्टेडियम के पीछे पानी से भरे गड्ढे में तीन बच्चियां डूब गईं। तीनों पादरी मोहल्ले की रहने वाली थीं। बताया गया कि तीनों परिवार से छिपकर गड्ढे में नहाने चली गई थीं। तीनों के शव बाहर निकाल लिए गए हैं। तीनों की उम्र 7 से 12 साल के बीच है।

60 दिन में पुलिस आरक्षकों को दी जाए मनपसंद जॉब

भोपाल। हाईकोर्ट ने साल 2017-18 में पुलिस भर्ती में आरक्षित वर्ग के मेरीटोटियास अभ्यर्थियों को उनके पसंद के हिसाब से पोस्टिंग के आदेश जारी किए है। हाईकोर्ट ने कहा है कि दो महीने के अंदर पुलिस आरक्षकों को उनकी पसंद के हिसाब से पोस्टिंग दी जाए। आरक्षित वर्ग के मेरोटोरियस अभ्यर्थियों को अनारक्षित वर्ग में चयनित करते हुए एसएएफ बटालियनों में पदस्थापना कर दी थी।

भारत में राष्ट्रीय शोक घोषित
जापान के पूर्व पीएम आबे की गोली मारकर की हत्या

नई दिल्ली | एजेंसी

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की शुक्रवार सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। आबे नारा शहर में इलेक्शन कैंपेन के दौरान स्पीच दे रहे थे। 42 साल के हमलावर ने पीछे से फायरिंग की। आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी का नाम यामागामी तेत्सुया है और वो आबे की नीतियों से नाखुश था। दो गोलियां लगने के फौरन बाद आबे गिर पड़े। उन्हें हेलिकॉप्टर से नारा मेडिकल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ले जाया गया। 6 घंटे तक मेडिकल टीम ने उन्हें बचाने की कोशिश की। इलाज के दौरान आबे को दिल का दौरा भी पड़ा। घटना भारतीय समयानुसार सुबह 8 बजे (जापान के समय के मुताबिक सुबह 11.30 बजे) की है। आबे की जान बचाने की कोशिश करने वाली मेडिकल टीम में शामिल एक डॉक्टर ने कहा- आबे को लगी एक गोली उनके दिल तक पहुंच गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी बोले- पूरा भारत शोक में डूबा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आबे के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मोदी ने एक ट्वीट में कहा- भारत और जापान के रिश्तों और ग्लोबल पार्टनरशिप में आबे की भूमिका रही। आज पूरे भारत में शोक है। इस मुश्किल वक्त में हम पूरी ताकत के साथ जापानी भाई-बहनों के साथ खड़े हैं। उन्होंने शिंजो के सम्मान में 9 जुलाई को एक दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा भी की। हमलावर यामागामी तेत्सुया को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से गन बरामद हुई है।

मदर डेयरी ने 14 रुपए प्रति लीटर तेल के दाम कम किए

नई दिल्ली। मदर डेयरी ने सोयाबीन और राइस ब्रान तेल की कीमतों में 14 रुपए प्रति लीटर तक की कटौती की है। कंपनी के अनुसार नई कीमतों वाले उत्पाद अगले सप्ताह तक बाजार में उपलब्ध होंगे। बता दें कि मदर डेयरी धारा ब्रांड के तहत खाद्य तेल की भी बिक्री करती है।

कीमतों में कटौती के बाद धारा रिफाइंड सोयाबीन तेल (पॉली पैक) के लिए 194 रुपए प्रति लीटर के बजाए 180 रुपए प्रति लीटर के पैसे ही देने होंगे और धारा रिफाइंड चावल भूसी (पॉली पैक) तेल की कीमत 194 रुपए प्रति लीटर से घटकर 185 रुपए प्रति लीटर हो जाएगी।

राजस्थान में भू-समाधि पर बैठे हिंदू समाज के 51 लोग, कहा-
विशेष समुदाय को फायदा पहुंचा रही गहलोत सरकार

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर की डीग तहसील में गहलोत सरकार के खिलाफ अनोखा विरोध प्रदर्शन हो रहा है। यहां हिंदू समाज के लोग 51 गड्ढों में भू समाधि पर बैठे हुए हैं।

उनका आरोप है कि प्रदेश की गहलोत सरकार मुस्लिम समाज को विशेष लाभ दे रही है। उनका कहना है कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होंगी तब तक आंदोलन जारी रहेगा। सरकार ने मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया तो रेलवे ट्रैक भी जाम करेंगे।

जानें क्या है मामला?

प्रदेश सरकार डीग पंचायत समिति की 9 ग्राम पंचायतों का परिसीमन कर सीकरी और नगर पंचायत समिति से जोड़ रही है, लेकिन ग्रामीण इसका विरोध करते हुए 16 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। अब ग्रामीणों ने भू समाधि शुरू कर दी है। इसके लिए ग्रामीणों ने 51 गड्ढे खोदे हैं, जिनमें दिन और रात अलग-अलग लोग बैठते हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग ने लिया फैसला
नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे चरण की मतगणना अब 20 जुलाई को होगी

भोपाल। मध्य प्रदेश के नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे चरण की मतगणना की तारीख आगे बढ़ा दी गई है। अब काउंटिंग 18 जुलाई की बजाए 20 जुलाई को होगी। दरअसल 18 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव का मतदान है। बीजेपी-कांग्रेस दोनों ही तारीख आगे बढ़ाने की मांग कर रहे थे। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि 18 जुलाई को जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव का मतदान है और इसी दिन नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद की मतगणना है। मिश्रा ने तारीख बदलने को लेकर राज्यपाल और राज्य निर्वाचन आयोग से चर्चा करने की बात भी कही थी। वहीं, कांग्रेस के चुनाव कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने राज्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र सौंपा था। इसमें भी मतगणना और राष्ट्रपति का निर्वाचन एक ही तारीख को होने के चलते तारीख आगे बढ़ाने की मांग की गई थी।

विवाद
राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने कहा नाइट सफारी को बंद करो
कान्हा-बांधवगढ़ सहित अन्य पार्कों में नाइट सफारी पर तकरार

स्टार समाचार | भोपाल

मध्य प्रदेश के कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में नाइट सफारी को लेकर वन विभाग और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के अधिकारियों में ठन गई है। एनटीसीए ने वन विभाग को पत्र लिखकर कहा है कि नाइट सफारी तुरंत बंद करें। इससे उस क्षेत्र के वन्यजीवों को प्राकृतिक जीवन जीने में दिक्कत होती है, जो उनके लिए नुकसानदायक है। इस पर वन विभाग के अधिकारियों ने तर्क दिया है कि एनटीसीए ने ही बफर क्षेत्र में पर्यटन बढ़ाने को कहा है और इसके लिए कुछ गतिविधियां तो संचालित करनी पड़ेंगी। दोनों ओर से चल रहे पत्र व्यवहार का अब तक कोई निष्कर्ष नहीं निकला है। इसलिए मामला बढ़ने की संभावना है। वन विभाग ने नवंबर 2020 से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से 'बफर में सफर" योजना शुरू की है। इसके तहत पर्यटकों को कोर के स्थान पर बफर क्षेत्र में पर्यटन कराया जा रहा है। नई व्यवस्था के दौरान नाइट सफारी की मांग भी उठी और विभाग ने शाम सात से रात नौ या 10 बजे तक बफर क्षेत्र में पर्यटन की अनुमति दे दी लेकिन गाड़ियों की संख्या सीमित (आठ से 10) ही रखी। एनटीसीए के अधिकारियों ने इसे गलत माना है। उन्होंने वन्यजीवों की सेहत को ध्यान में रखते हुए नाइट सफारी बंद करने को कहा है।

पार्कों में नाइट सफारी पर आपत्ति

एनटीसीए का कहना है कि नाइट सफारी से वन्यजीवों के क्षेत्र में शोर होता है। साथ ही वाहनों की लाइट से भी वे परेशान होते हैं। जिसका असर उनके जीवन पर पड़ता है। एनसीटीए ने दूसरा पत्र लिखा भी है। जिसमें कहा है कि पार्कों के मैनेजमेंट प्लान और एनटीसीए से दिए गए दिशा-निदेर्शों में नाइट सफारी की व्यवस्था नहीं है। विभाग के अधिकारियों ने इसका भी तर्क दिया है। उनका कहना है कि ऐसे तो कोर एरिया में सफारी का भी प्रविधान नहीं है। फिर भी कराई जा रही है। मचान का प्रविधान नहीं है लेकिन बनाए गए हैं। जेएस चौहान, मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक ने कहा कि मध्य प्रदेश एनटीसीए ने पार्कों में नाइट सफारी पर आपत्ति की है। हमने उन्हें बताया है कि बफर में पर्यटन बढ़ाने के निर्देश तो उन्हीं ने दिए हैं।

वन्यजीव तनाव में आता है

वन विहार नेशनल पार्क के उप संचालक रहे डा. सुदेश वाघमारे कहते हैं कि नाइट सफारी वन्यजीवों के हक में नहीं है। रात में जंगल में वाहन जाएंगे, तो आवाज भी होगी और रोशनी भी। इससे वन्यजीव तनाव में आते हैं। वे प्राकृतिक रोशनी में रहने के आदी होते हैं। ऐसे में वाहन की रोशनी उन पर पड़ती है, तो उन्हें नुकसान होता है।

मुम्बई असिस्टेंट कमिश्नर श्रीराम कोरेगांवकर का जन्मदिन पोलिस सहयोग टीम द्वारा मनाया गया

मरूधर हिंद/मुंबई ब्यरो

मुम्बई के सुपर कॉप्स अफसरो में से एक अफसर श्रीराम कोरेगांवकर साहब का जन्मदिन मुम्बई पोलिस सहयोग टीम द्वारा केक कटवाकर और पुष्पगुच्छ देकर मनाया गया. पोलिस सहयोग के सम्मानित पदाधिकारी रिटा राठौड़ के नेतृत्व में चंद्रकात , देविदास शिंदे और टीम ने मनाया. विशेष धन्यवाद करूणा सिंह , रेश्मा शिंदे और सोनी सिंह जिनका योगदान सराहनीय रहा.

विधायक जौहरीलाल मीणा से जयपुर स्थित सरकारी आवास पर मिले डॉ जी एस नरूका

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। राजगढ़ लक्ष्मणगढ विधानसभा क्षेत्र के विधायक जौहरीलाल मीणा के सरकारी निवास गांधीनगर जयपुर पर पहुंचकर मुलाकात कर कुशलक्षेम जानी और शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना की विधायक मीणा से मुलाकात करने वालों में डॉक्टर जीएस नरूका पार्षद नगर पालिका गोविंदगढ़ प्रभारी एवं जिला महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी अलवर, एवं प्रभारी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल, डालचंद भारद्वाज संयोजक स्वास्थ्य सेवा समिति राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल एवं भगवान सहाय विजय अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लक्ष्मणगढ़ साथ रहे।

कुशलगढ़ गणेश सेवा मंडल गणेश मंदिर कुशलगढ़ में महिलाओं को दिया स्थान तिलोत्तमा पंड्या महिला महामंत्री नियुक्त

अरुण जोशी कुशलगढ़ की रिपोर्ट

कुशलगढ़ गणेश सेवा मंडल गणेश मंदिर के अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा (बाबूजी) ने कार्य करणी का विस्तार करते हुए निम्न सदस्यों को अपनी टीम में शामिल किए है। उपाध्यक्ष अशोक महोदीया व दिलीप टेलर, कोषाध्यक्ष धर्मेश लोदावरा,महामंत्री हरीश सोनी,मंत्री दिनेश महोदीया व राहुल सोनी,सचिव अशोक जे जोशी,महिला महामंत्री तिलोत्तमा पंड्या,महिला मंत्री सुनीता अजय जोशी ओर मनोनीत सदस्य पंकज महोदीया,ललित राठौड़,रजत जोशी,जिगर महोदीया,केतन महोदीया,मेहुल महोदीया,दीपक शर्मा,महेंद्र टेलर (देवू),हर्षित पंचाल,राजेन्द्र लखारा,निलेश टेलर और नमन सोनी आदि की घोषणा की गई।

कुशलगढ़ नागदा मेनारिया ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा (बाबूजी) को नियुक्त किया गया

अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ। नागदा मेनारिया ब्राह्मण समाज की बैठक में संरक्षक मंडल के ओमप्रकाश जोशी, ब्रजमोहन जी जोशी,भूपेंद्र महेता,सुरेश जोशी के सानिध्य में नवीन पदाधिकारियों को नियुक्ति किया गया। समाज के संगठन की बैठक गुरुवार को समाज के जोशी मांगलिक भवन में संपन्न हुई। बैठक में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान समाज के अध्यक्ष एवं समाज कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें सर्वानुमत से अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा (बाबूजी) को नियुक्त किया गया।अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा (बाबूजी) द्वारा समाज जनो की कार्यकारिणी गठित की गई है। उपाध्यक्ष अजय आई जोशी,कोषाध्यक्ष संजय आर जोशी,सचिव अशोक जे जोशी,व्यवस्थापक कैलाश जोशी,मीडिया प्रवक्ता संजय आई जोशी को नियुक्त किया गया। बैठक में समाज द्वारा 9 अप्रैल को स्व महेश जोशी की पुणयतिथि प्रतिवर्ष मनाई जाएगी। दीपावली के दूसरे दिन नये वर्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष एकम के दिन अन्नकुटोत्सव प्रतिवर्ष मनाने का आयोजन किया जाएगा। जोशी मांगलिक भवन मरम्मत कार्य आवश्यकता अवलोकन कर करवाने की अनुमति प्रदान की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर मंडल कुशलगढ़ द्वारा सोमनाथ महादेव मंदिर परिसर मे पांच नीम के पौधे लगाए गए

अरुण जोशी कुशलगढ़ की रिपोर्ट

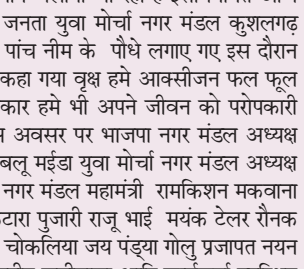

कुशलगढ़। भारतीय जनसंघ के संस्थापक अपने प्राणों का बलिदान देने वाले परम पूजनीय डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जन्म जयंती के अवसर एवम उदयपुर में हुए जघन्य हत्या कांड में मृतक कन्हैयालाल जी की स्मृति में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपसिह वसुनिया के नेतृत्व में जिले भर में प्रत्येक मंडल पर पांच पांच पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा करके पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने और प्रकृति की स्वच्छता सुरक्षा का अभियान चलाया जा रहा हैं इसी निमित आज कुशल गढ़ प्रवास के दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर मंडल कुशलगढ़ द्वारा सोमनाथ महादेव मंदिर परिसर मे पांच नीम के पौधे लगाए गए इस दौरान जिला अध्यक्ष दीपसीह वसुनिया द्वारा कहा गया वृक्ष हमे आक्सीजन फल फूल आदि निस्वार्थ भाव से देते है उसी प्रकार हमे भी अपने जीवन को परोपकारी बनाकर इनकी सेवा करनी चाहिए इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष जैनेंद्र सेठिया नगर पालिका अध्यक्ष बबलू मईडा युवा मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष रिंकू पंड्या वरिष्ठ हेमेंद्र पंड्या भाजपा नगर मंडल महामंत्री रामकिशन मकवाना पार्षद राहुल सोनी पूर्व पार्षद राजेश कटारा पुजारी राजू भाई मयंक टेलर रौनक टेलर राहुल पंड्या नितेश टेलर अंकित चोकलिया जय पंड्या गोलु प्रजापत नयन पंचाल ऋषभ मेहता राहुल टेलर फखरूदीन चूड़ीवाला आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांव दुधेरी में शिव परिवार, दुर्गा माता की मूर्ति के साथ निकाली कलश यात्रा।

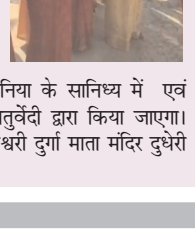

कठूमर।दिनेश लेखी। उपखंड क्षेत्र के गांव दुधेरी में जगत जननी जगदंबा मातेश्वरी दुर्गा माता मंदिर पर शुक्रवार को शिव परिवार व दुर्गा माता की मूर्ति की शोभायात्रा के साथ मंगल कलश यात्रा निकाली गई। वही संगीत मय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ महोत्सव शुरू हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुधेरी में शुक्रवार 8 जुलाई को गांव के सहयोग से बैंड बाजों के साथ मूर्तियों स्थापना महोत्सव एवं कलश यात्रा का आयोजन किया गया। मूर्तियो की प्राण प्रतिष्ठा शनिवार को प्रातः की जाएगी। वही श्रीमद् भागवत महापुराण प्रारंभ होगा। प्राण प्रतिष्ठा आचार्य पंडित ब्रजेश लवानिया के सानिध्य में एवं भागवत कथा का वाचन आचार्य पंडित बालकृष्ण चतुर्वेदी द्वारा किया जाएगा। भागवत महापुराण का स्थान जगत जननी जगदंबा मातेश्वरी दुर्गा माता मंदिर दुधेरी में आयोजित किया जाएगा।

शिक्षा विभाग व सरकार के खिलाफ ग्रामीणों ने किया नारेबाजी प्रदर्शन

मरुधर हिंद/आमिर खान कामां

कामां- शिक्षा राज्य मंत्री जाहिदा खान के गृह क्षेत्र कांमा उपखंड के गांव पल्ला में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मे व्याप्त अव्यवस्थाओं व आए दिन शिक्षकों के लेट आने से नाराज ग्रामीणों ने तालाबंदी कर दी और विद्यालय गेट पर एकत्रित होकर शिक्षा विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया7

ग्रामीणों ने शिक्षकों पर आरोप लगाते हुए बताया कि विद्यालय में कार्यरत शिक्षक समय पर विद्यालय नहीं पहुंचते हैं। जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी कई बार शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों को शिकायत भी की गई थी लेकिन इन लेट लतीफ शिक्षको के रवैए में कोई सुधार नहीं हुआ मजबूरन आज ग्रामीणों को तालाबंदी का कदम उठाना पड़ा तालाबंदी से पूर्व विद्यालय तो समय से खुला छात्र छात्रा भी विद्यालय में प्रवेश कर गए आधे से अधिक अध्यापको ने भी विद्यालय के अंदर प्रवेश कर उन्होंने रोजाना की तरह अध्ययन भी शुरू कर दिया लेकिन लेट आने वाले चिकित्सक ताला बंदी में फंस गए जिससे देरी से पहुंचे शिक्षक विद्यालय गेट के बाहर ही खड़े नजर आए। ग्रामीणों ने उन्हें अंदर नहीं घुसने दिया। लेट आने के कारण तालाबंदी में फंसे विद्यालय के प्रिंसिपल महेश चंद शर्मा सहित शिक्षक राजकुमार अग्रवाल ,शिक्षक शिवराम ,शिक्षक सुरेंद्र पाराशर, जितेंद्र सहित कई अन्य शिक्षक थे। जो हमेशा की तरह आज भी देरी से पहुंचे थे। ग्रामीणों ने विद्यालय पर तालाबंदी कर शिक्षा विभाग के खिलाफ नारेबाजी की और दोषी शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले की जानकारी मिलते ही शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश की। काफी देर के बाद ग्रामीण ताला खोलने को तैयार हो गए। शिक्षा विभाग के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार चौहान का कहना है कि देरी से पहुंचे सभी शिक्षकों को नोटिस जारी किया गया है और उनसे जवाब मांगा गया है। जवाब देने तक उनका वेतन रोका गया है7सीबीईओ ने बताया कि विद्यालय में साफ सफाई के निर्देश दिए गए हैं। बच्चों ने भी शिक्षकों पर आरोप लगाये है कि वह विद्यालय में आते हैं और अध्यापन कराने की बजाय मोबाइलों में बिजी रहते हैं। जिस पर अध्यापकों को समयानुसार क्लास में पहुंचकर अध्यापन कराने के निर्देश दिए गए हैं वहीं दूसरी ओर आश्वासन मिलने पर ग्रामीणों के ताला खोलकर घरों को लौट जाने के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विद्यालय में कार्यरत सभी अध्यापकों की बैठक लेकर विद्यालय के स्टाफ में चल रही आपसी आपसी फूट को समाप्त करने के प्रयास किए और निर्देश दिए कि सभी अध्यापक मिलजुल कर एक दूसरे का सहयोग कर छात्र छात्राओं को अध्ययन कराने में रुचि लें समय से विद्यालय आए।

कन्यादान में अलवर बनेगा रोल मॉडल- जूली

मरुधर हिन्द/दीक्षित कुमार

अलवर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा कारागार विभाग टीकाराम जूली ने कहा कि सामाजिक सरोकार की दिशा में अलवर की विभिन्न संस्थाऐं उल्लेखनीय कार्य कर रही है। वैश्विक महामारी कोरोना काल की विषम परिस्थितियां हो या किसी जरूरतमंद की सहायता करने की बात हो शहर के कुछ युवा एवं महिला संयुक्त रूप से मिलकर मुश्किलों के उस दौर को पलभर में हटाकर उन परिवारों के लिए रोशनी का काम कर रहे हैं। मंत्री जूली शुक्रवार को अलवर ग्रामीण क्षेत्र की गाडियां लुहार की बेटी की शादी के लिए शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा कन्यादान कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि नेक कमाई समूह डॉ. गोपाल राय चौधरी ट्रस्ट, रोटरी क्लब अलवर, रोटरी क्लब अलवर फोर्ट, आलमचंद भागवती देवी भाटिया ट्रस्ट, खानचंद चिमनीबाई हजरती चेरिटेबल ट्रस्ट और नारायणी देवी मनोहरलाल छाबडा ट्रस्ट संयुक्त रूप से मिलकर अलवर के जरूरतमंद परिवारों के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

कन्यादान में अलवर बनेगा रोल मॉडल-जूली

केबिनेट मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि अलवर में सभी संस्थाऐं एकमंच पर आकर जरूरतमंदों विशेषकर बेटियों की शादियों में जो सहयोग कर रही है यह ना केवल सामाजिक सरोकार की दिशा में सराहनीय कदम है बल्कि अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत है। निश्चित तोर पर बेटियों के कन्यादान की यह शुरूआत पूरे राजस्थान प्रदेश में रोल मॉडल बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत को भी शीघ्र ही कन्यादान के इस पावन कार्य में आमंत्रित किया जाएगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, संजीव बारेठ, विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव आशुतोष शर्मा, अभिशेक तनेजा, मंजू चौधरी, मीना तनेजा, दौलतराम हजरती, जितेन्द्र खुराना, मधुर अग्रवाल, चन्द्रकांता भाटिया, राजेश लवानिया उपस्थित रहे।

शुक्रवार को अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के गांव धौंकडी के शहीद वीरसिंह गुर्जर की प्रतिमा अनावरण समारोह

मरुधर हिन्द/दीक्षित कुमार

अलवर।शुक्रवार को अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के गांव धौंकडी के लाल शहीद वीरसिंह गुर्जर की प्रतिमा अनावरण किया गया ।

इस दौरान उपस्थित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा कारागार विभाग मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए वीर सैनिकों की तरह दुश्मनों से लोहा लेने वाले मां भारती के वीर सपूतों की शहादत का कर्ज देश पर उधार है। देश सेवा का सीने में तूफान, आखों में देशभक्ति का जुनून लेकर अपने मजबूत फौलादी इरादों से दुश्मन के प्रत्येक नापाक इरादों को नेस्तानाबूद करने वाले वीर शहीद सैनिकों को नमन है।

केबिनेट मंत्री जूली शुक्रवार को अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के गांव धौंकडी के लाल शहीद वीरसिंह गुर्जर की प्रतिमा अनावरण समारोह के दौरान उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अलवर ग्रामीण के धौंकडी गांव के लिए यह ऐतिहासिक दिन है कि उनका अपना सपूत भारत मां की सेवा करते हुए देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। शहीद वीरसिंह ने ना केवल अपनी वीरता का परिचय दिया बल्कि देश दुनिया में अपने गांव का नाम रोशन किया। वीरसिंह जैसे सैनिकों के जज्बे और जोश की बदौलत ही आज हम सब सुरक्षित है।

उन्होंने कहा कि अपने देश की आवाम की रक्षा के लिए सेना का जवान माइनस डिग्री तापमान, रेतीले धोरो, समुद्र का सीना चीरकर तथा आसमां से भी अपने मजबूत इरादों का परिचय देता है। मंत्री जूली ने शहीद की वीरांगना सुमन देवी, उनके परिवार तथा रेजीमेंट से प्रतिमा अनावरण में आए सुबेदार चन्द्रमोहन, नायक हरदयाल गुर्जर, लांस नायक अनीश, हवलदार मनोज का सम्मान किया।

इस दौरान उद्योग मंत्री शकुन्तला रावत, पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना, नगर परिषद चेयरमैन घनश्याम गुर्जर,प्रधान दौलतराम जाटव, पूर्व शिवलाल गुर्जर, उपप्रधान महेश सैनी, रामफल गुर्जर, संजीव बारेठ, जफरू खान, पेमाराम सैनी, अम्मू खान, असरू खान, शमसेन सिंह, जगदीश, सुरज्ञानी मीना, इमरान खान, रामकुंवार, सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे।

त्रिवेदी टैलेंट हंट कंप्यूटर प्रतियोगिता में खुशनुमा रही अव्वल

मरुधर हिन्द उदयपुर

कोटडा क्षेत्र के त्रिवेदी सृष्टि आईटी ज्ञान केंद्र के आयोजक भावेश त्रिवेदी के अनुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 4 जुलाई 2022 को त्रिवेदी टैलेंट हंट कंप्यूटर 2022 प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया जिसका परिणाम आज घोषित किया गया उक्त प्रतियोगिता परीक्षा में प्रथम स्थान पर खुशनुमा खान पुत्री शहिद खान रही खुशनुमा के पिताजी एक दुकानदार है । खुशनुमा ने अल्प समय में यह मुकाम हासिल किया जिससे अध्यापक परिवारजन बहुत ही प्रसन्न है। द्वितीय स्थान पर नितिन प्रजापत पुत्र तुलसीराम रहे व तृतीय स्थान पर राहुल कुमार पुत्र रतन रहे उक्त प्रतिभावान छात्र छात्राओं को विश्व हिंदू परिषद के जिला सह संयोजक राजेंद्र जैन के हस्ताक्षर युक्त प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतिभावन छात्र छात्राओं को आरकेसीएल के जिला संचालन जिनेंद्र वाणावत एवं जिला सचिव पीयूष भट्ट व सहयोगी चिकवेश जैन ने बधाई दी कार्यक्रम का संचालन बया कुमारी व रेखा पारगी ने किया।

कुशलगढ़ तहसीलदार ने घटनास्थल देखा और मृतक की पत्नि को 12 लाख आर्थिक सहायता का दिया पत्र

अरुण जोशी कुशलगढ़ की रिपोर्ट

कुशलगढ क्षेत्र के। भोराज़ गांव में गत पांच जुलाई को प्राकृतिक आपदा आकाशीय बिजली गिरने से पिता पुत्र ओर बेटी तीन लोगों की मौत होने से आहत परिवार को आर्थिक सहायता के पत्र देने पहुंचे तहसीलदार राठौड़।कुशलगढ़ तहसीलदार ने घटनास्थल देखा और मृतक की पत्नि को 12 लाख आर्थिक सहायता का दिया पत्र भोराज मे चार दिन पूर्व आकाशीय बिजली गिरने की घटना पर शुक्रवार को कुशलगढ तहसीलदार विरेंद्रसिंह राठौड भी भोराज गांव पहुंचे तथा मृतको को भावुक श्रंद्धाजलि देने के ढांढस बंधाकर बिजली गिरे मकान और दिवार का घटनास्थल देखा इस दौरान मृतक की पत्नि छगन को आपदा राहत कोष से प्रति मृतक चार चार लाख कुल 12 लाख रू आर्थिक सहायता का पत्र सौंपा कुशलगढ तहसीलदार वीएस राठौड ने श्रंद्धाजली देने आए मौजूद परिजनो और ग्रामीणो को बताया कि बारिश की शुरुआती सीजन मे बिजली गिरने का खतरा ज्यादा रहता है ऐसे मे जब भी बारिश हो और बिजली कडकने की आवाज सुनाई दे तो तुरंत प्रभाव से पक्की छत का सहारा लेवे और जहा तक हो सके घर की बिजली के स्वीच और मोबाइल भी बंद करले ताकि किसी प्रकार का हताहत या जनहानि नही हो तहसीलदार ने बताया कि बारिश के दौरान किसी पेड का सहारा कदापि नही ले पानी जमा स्थान से भी दूर रहे इस दौरान गिरदावर रामचंद्र देवदा,प्रकाश सौलंकी,पटवारी अशोक मुणिया भी मौजूद रहे पिडित परिवार से मृतक मोहन के भाई मदन सिंह वडखिया ने बताया कि वो आकाशीय बिजली की घटना के दौरान परिवार के करीब दस लोग घर मे थे तीन की जाने चली गयी भैया भाभी भी घायल हो गये।

राजकुमार इन्द्रेश राष्ट्रीय कलमवीर सम्मान व समाज रत्न से सम्मानित

अरुण जोशी कुशलगढ़ की रिपोर्ट

कुशलगढ़। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिजौरी बड़ी के प्रधानाचार्य कवि राजकुमार इन्द्रेश को वाइस ऑफ़ हार्ट राष्ट्रीय लेखन प्रतियोगिता 2022 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर राष्ट्रीय कलमवीर सम्मान 2022 से सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रभारी सुरेश चंद पहाड़िया ने बताया कि प्रधानाचार्य राजकुमार इन्द्रेश को हाल ही में 26 जून को जयपुर के गुलाब गार्डन में अखिल भारतीय गरीबाधाम सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में गुरु गौरव दिवस पर %समाज सेवा रत्न %से भी सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य इन्द्रेश की कहानियाँ व कवितायें राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर की पत्र पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित होती रहती है। इस अवसर पर बिजौरी बड़ी सरपंच कुशबा भाभोर व स्टाफ साथियों ने प्रधानाचार्य को मिठाई खिलाकर मुँह मीठा करवाया। इस अवसर पर भूरालाल डिण्डोर, नाथूलाल भाभोर, रामकरण मेघवाल, जीतमल निनामा, शंकर लाल, कमल सिंह अड़, कमलेश मईड़ा सुरेश जोशी सहित छात्र छात्राएं व अभिभावक उपस्थित थे।

कत्थक गुरु गायिका रोज़ी शर्मा को दूरदर्शन ने अतिथि के रूप में बुलाया

मरूधर हिन्द

कठूमर।दिनेश लेखी। राजस्थान दूरदर्शन स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर छः जुलाई को कत्थक गुरू एवम गायिका रोज़ी शर्मा जी को स्पेशल गेस्ट के रूप में राजस्थान दूरदर्शन द्वारा साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया गया।और इस दौरान संगीत और कला से संबंधित विषयों पे विस्तृत चर्चा की गई। रोज़ी शर्मा ने बॉलीवुड गानों की कुछ पंक्तियां दर्शकों के मनोरंजन के लिए गाई एवम कत्थक से संबंधित मुद्राएं एवम भाव भंगिमा भी समझाई।

उन्होंने अपने गुरु पंडित चरन गिरधर चांद को एवम अपने पिता गुरु नलिनीकांत दीक्षित को याद किया एवम अपनी सफलता का श्रेय इन दोनों गुरुओं को दिया। और सरकार से सहयोग की अपेक्षा रखते हुए संगीत केंद्रों की स्थापना का विचार प्रकट किया।और राजकिशोर का विशेष धन्यवाद किया जिनके सहयोग से ये कार्यक्रम सफल हो सका रोज़ी शर्मा को विशेष अतिथि रूप में बुलाएं जाने पर देश भर से बधाई देने वालों के फोन व सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई संदेश व फोन आते रहें व राजस्थान के अलवर के भिवाड़ी में विशेष रूप से खुशी भरा माहौल रहा और लोगों ने आपस में दूसरे को बधाई दी और चर्चा रही बड़ी बहन के कारण आज देश भर में अलवर व भिवाड़ी का नाम रोशन हुआ है।

गरीब और जरूरतमंद बेटी की शादी में आवश्यक सामान देकर किया सहयोग

मरूधर हिन्द

कठूमर।दिनेश लेखी। मानवाधिकार सुरक्षा संगठन की बहरोड़ शाखा ने एक गरीब और जरूरतमंद बेटी की शादी में आवश्यक सामान देकर सहयोग किया। बेटी के परिवारजनो जरूरत के अनुसार एक वाशिंग मशीन,अलमारी, बड़ा संदूक ,21 जोड़ी सूट साड़ी,कुछ बर्तन ,और उपहार के साथ साथ 7100 रू नकद कन्यादान स्वरूप दिए । संगठन की प्रदेश प्रभारी रेणुका यादव ने बताया कि इस पुण्य कार्य में सर्वाधिक योगदान महेंद्र यादव और राजेश यादव का रहा साथ में महिपाल यादव तहसील अध्यक्ष,आशा यादव सचिव,ज्योति यादव जिला सचिव, जे पी यादव ,सरजीत यादव ,विकास यादव आदि बहुत लोगो का भी सहयोग रहा ।

खेरली थाना क्षेत्र के घाटा भावर में बाइक चोरों को ग्रामीणों ने पकड़ कर किया पुलिस के हवाले

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। खेरली थाना क्षेत्र के गांव घाटा भावर में देर रात गुरुवार को ग्रामीणों ने बाइक चुरा कर ले गए संदिग्ध को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया। जानकारी के अनुसार कस्बे के समूंची फाटक से आगे मैरिज होम के सामने से कुछ अज्ञात लोग बाइक चुराकर ले गए जिसकी सूचना खेरली थाना पुलिस को दी थाना पुलिस ने नाकाबंदी कर ग्रामीणों को सूचित कर दिया वही घाटा भावर की पहाड़ी पर ग्रामीणों ने कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को घाटा भावर की पहाड़ी में देखा और उन्हें रोका तो संदिग्ध भागने लगे ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया और चोरों को पकड़ लिया। इसकी जानकारी खेरली थाना पुलिस को दी सूचना पाते ही खेरली थाना पुलिस मौके पर पंहुची एवं बाइक चोरों को पकड़कर पुलिस थाने ले आए दोनो की पहचान धारा सिंह पुत्र नहर सिंह मीणा उम्र 21 वर्ष निवासी खुड़ियाना थाना बहतूकला एवं लोकेश पुत्र पप्पू राम उम्र 22 वर्ष जाति मीणा निवासी हसनपुर थाना लक्ष्मणगढ़ के रूप में हुई पुलिस ने बाइक बरामद कर मामला दर्ज कर लिया है जिन्हे न्यायलय में पेश किया गया जिन्हे पुलिस रिमांड पर दे दिया है पुलिस द्वारा अनुसंधान जारी है।

कुशलगढ़ उपखंड क्षेत्र के पंचायत भोराज मे प्राकृतिक आपदा से आहत परिवार से मिलने पहुंचे युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सहित कार्यकर्ता

अरुण जोशी कुशलगढ़ की रिपोर्ट

कुशलगढ क्षेत्र के भोराज गांव मे गत पांच जुलाई को प्राकृतिक आपदा आकाशीय बिजली गिरने से पिता पुत्र और बेटी तीन लोगो की मौत होने से आहत पिडित परिवार से मिलने और ढांढस बंधाने भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपसिंह वसुनिया ,कुशलगढ नगरपालिका चैयरमेन बबलु भाई सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ता शुक्रवार को भोराज गांव पहुंचे तथा मृतक किसान पिता मोहन , बेटे राजपाल ,बेटी सुनिता के चित्र पर नम आंखो से श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा बिजली गिरे स्थान को देखा। मृतक की पत्नि छगन और बारह वर्षिय पुत्र तेजपाल से मिले तथा पिडित परिवार को ढांढस बंधाया। इस दौरान युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्राकृतिक घटना इतनी हृदय विदारक है जिसके लिए शब्द नही है। भाजपा युवा मोर्चा मृतक मोहन के पुत्र तेजपाल की शिक्षा दीक्षा सहित अन्य सारा खर्च कार्यकर्ता मिलकर उठाएंगे। इस दौरान मिडिया से मुखातिब होते हुए जिलाध्यक्ष वसुनिया ने बताया कि जिले मे इतनी बडी घटना होने और दो दो मंत्री होने के बावजूद अब तक पिडित परिवार के बिच नही पहुंचे। वहि शासन प्रशासन से भी हरसंभव आर्थिक सहायता देने की मांग रखी। इस दौरान भाजपा नगर मंडल महामंत्री रामकिशन मकवाना, वरसाला सरपंच भूरसिंह खराडी, युवा मोर्चा खेड़ा धरती मंडल अध्यक्ष अमर सिंह निनामा ,खेड़ा धरती मंडल महामंत्री कालू निनामा, दिलीप डीडोर आखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व छात्र संघ महासचिव आदि मौजूद रहे ।

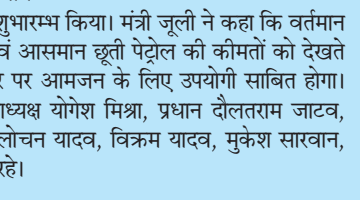

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के आउटलेट का शुभारम्भ किया

मरुधर हिन्द/दीक्षित कुमार

अलवर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा कारागार विभाग श्री टीकाराम जूली ने शुक्रवार को पुराना बर्फखाना रोड स्थित फीड्स इलेक्ट्रिक व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के नवीन आउटलेट का फीता काटकर शुभारम्भ किया। मंत्री जूली ने कहा कि वर्तमान में बढ़ रहे पर्यावरण प्रदुषण एवं आसमान छूती पेट्रोल की कीमतों को देखते हुए यह आउटलेट निश्चित तोर पर आमजन के लिए उपयोगी साबित होगा। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, प्रधान दौलतराम जाटव, संजीव बारेठ, पंकज यादव, लोचन यादव, विक्रम यादव, मुकेश सारवान, सोनू गोपालिया आदि मौजूद रहे।

दखल

लड़कियों को दें बढ़ने का मौका

वास्तव में स्त्री और पुरुष दोनों के कंधों पर अपने परिवार को चलाने की जिम्मेदारी के साथ समाज और देश के आर्थिक विकास में योगदान देना एक कर्तव्य है। खुशी होती है इस बात से कि हम स्त्री सशक्तिकरण को बहुत तवज्जो देते हैं तथा वास्तव में इस पक्ष पर पिछले काफी समय से बहुत मजबूती से काम भी हो रहा है, पर अब समय आ गया है, जब स्त्री को आर्थिक विकास की मुख्यधारा में पुरुष के समान ही महत्व दिया जाए।

अब समाज में महिलाओं के आर्थिक विकास को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। महिला सशक्तिकरण की बात तो हम लंबे समय से कर रहे हैं, मगर हमारे मुल्क की तीव्र आर्थिक प्रगति के लिए महिलाओं के आर्थिक विकास को प्राथमिकता देना अत्यंत आवश्यक है। 140 करोड़ की आबादी वाले हमारे मुल्क में करीब 55 करोड़ लोग अपने परिवार के कमाने वाले सदस्यों पर निर्भर हैं। इसमें घरेलू महिलाएं बड़ी तादाद में हैं। इसके अलावा हमारे समाज में शिक्षित महिलाओं का भी घरेलू महिलाओं की संख्या में बहुत बड़ा भाग है। आश्रितों की इतनी बड़ी संख्या अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है। इन दिनों भारतीय अर्थव्यवस्था दो प्रकार की स्थितियों से गुजर रही है। एक तरफ जहां आर्थिक विकास में निरंतरता बनाए रखना मुख्य उद्देश्य है, तो वहीं दूसरी तरफ लगातार बढ़ रही आर्थिक असमानता भारत के समग्र आर्थिक विकास में बहुत बड़ी बाधा है। लगातार बढ़ती आर्थिक विषमता ने अमीरों और गरीबों के बीच की खाई को बहुत चौड़ा कर दिया है।

कोरोना महामारी के दौरान जहां एक तरफ भारत में गरीबों की संख्या में सात करोड़ की बढ़ोतरी हुई है, वहीं दूसरी तरफ अरबपतियों की संख्या में 37 प्रतिशत की वृद्धि। यह हमें लगातार सोचने को विवश कर रही है। इस विकट परिस्थिति से भी निपटा जा सकता है अगर आर्थिक सुधारों में महिलाओं के आर्थिक विकास को मुख्य उद्देश्य के रूप में रखा जाए। भारत में महिला आर्थिक विकास तभी संभव है, जब हर महिला रोजगार को अपना उद्देश्य बनाए। भारत में वर्तमान महिला आर्थिक विकास से संबंधित कार्यों और नीतियों पर एक दृष्टि डालें, तो पाएंगे कि आजादी के 75 वर्षों बाद भी महिला सशक्तिकरण का विचार हमारे कानों में गूंजता तो रहता है, पर अभी तक भारत में इस पर ठोस कार्य नहीं हुए हैं।

सही मायनों में महिला सशक्तिकरण तभी संभव है जब महिला आर्थिक विकास की ओर मजबूती से काम हो। स्थिति इतनी विकट है कि देश की कुल आबादी में 48 प्रतिशत महिलाएं हैं, पर रोजगार में सिर्फ एक तिहाई ही संलग्न हैं। भारत की कुल 'एमएसएमई' का मात्र 19 प्रतिशत महिलाओं द्वारा संचालित हो रहा है। महिलाओं का वेतन भी पुरुषों के वेतन का 65 प्रतिशत है। 'बीएसई' और 'एनएसई' में सूचीबद्ध कंपनियों में मात्र नौ प्रतिशत महिलाएं उच्च पद पर आसीन हैं। जिस तरह दिन-प्रतिदिन कंप्यूटर द्वारा 'आटोमेशन' हो रहा है, उससे 2030 तक दो करोड़ ग्रामीण रोजगारों में संलग्न महिलाओं के सामने बरोजगारी की समस्या भी खड़ी होने वाली है। एक शोध रिपोर्ट के मुताबिक अगर भारत में महिलाओं को पुरुषों के बराबर रोजगार में तवज्जो मिलने लग जाए, तो अर्थव्यवस्था में बिना कोई आमूलचूल परिवर्तन हुए जीडीपी सात अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ सकती है। महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन की सोच को देखते हुए महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा उद्यमिता की तरफ बढ़ना चाहिए।

पिछले कुछ समय से समाज में बदलाव आया है, जिसमें माता-पिता अपनी पुत्री के लिए भी तकनीकी तथा व्यावसायिक प्रबंधन की शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा प्राथमिकता देने की कोशिश कर रहे हैं। महिलाओं के आर्थिक विकास के मुद्दे को बड़ी संख्या में बल तब मिलेगा, जब ऐसी शिक्षित लड़कियां स्वयं आगे बढ़ कर तकनीकी तथा व्यावसायिक प्रबंधन की शिक्षा का उपयोग खुद के व्यावसायिक प्रतिष्ठान में करने की कोशिश करेंगी। इसके माध्यम से समाज में एक बदलाव आएगा तथा महिलाओं का समाज के आर्थिक विकास में भी योगदान बढ़ेगा। इस संदर्भ में हमारे समाज की एक वास्तविकता को भी समझना होगा। आज भी हमारा समाज उद्यमिता या एंटरप्रेन्योरशिप के अंतर्गत महिलाओं को कमजोर समझता है।

यह लगभग सभी की मानसिकता है कि व्यवसाय या व्यापार करना सिर्फ पुरुषों के दायरे में आता है, क्योंकि वही इसमें ज्यादा सक्षम होते हैं। इसी सोच के कारण महिला उद्यमी को अपने व्यापार-व्यवसाय को दूसरों के सामने प्रस्तुत करने में अनेक समस्याएं आती है, जिसमें सबसे बड़ी बाधा आवश्यक वित्त की सुविधाओं के निर्धारण तथा प्राप्ति से संबंधित होती है। इसके अलावा हमारे समाज में महिलाएं स्वयं भी व्यवसाय को प्राथमिकता नहीं देना चाहतीं, क्योंकि वे इसमें पुरुषों का एकाधिकार ज्यादा देखती हैं। यह भी हमारी एक सामाजिक मानसिकता का प्रतीक है कि परिवार में छोटे बच्चों के पालन-पोषण की प्राथमिक जिम्मेदारी पुरुष की तुलना में महिला की ज्यादा होती है, जिसके कारण भी आधुनिक रूप से शिक्षित महिलाएं व्यापार करने का निर्णय लेने में हिचकती हैं तथा वे व्यवसाय की तुलना में नौकरी करने को ज्यादा उचित समझती हैं, क्योंकि उस दशा में वे अपने आप को ज्यादा सुविधाजनक पाती हैं।

अगर वास्तव में महिला आर्थिक विकास की बात करनी है, तो हमें उपरोक्त सामाजिक सोच तथा मानसिकता को बदलना होगा। इस संदर्भ में एक विडंबना यह भी है कि उन महिलाओं को आर्थिक विकास से कैसे जोड़ा जाए, जो निम्न मध्यवर्गीय परिवार से संबंधित हैं। वे मात्र साक्षर हैं, आधुनिक रूप से शिक्षित नहीं हैं तथा उनके परिवार में आश्रितों की संख्या भी अधिक है। वर्तमान परिस्थिति में हमारे मुल्क में ऐसी महिलाओं की संख्या काफी है। यहां एक आदर्श स्थिति बन सकती है, अगर ये महिलाएं स्वयं आगे बढ़ कर किसी भी तरह के आर्थिक रोजगार को अपनी आय का मुख्य स्रोत बनाने का निश्चय करें। इसके माध्यम से जहां एक तरफ आश्रितों की संख्या कम होगी, वहीं दूसरी तरफ आर्थिक विषमता भी कम होगी।

ऐसी महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन से पहले उन्हें आर्थिक विकास का स्रोत मिलना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सरकारों, सामाजिक संगठनों और औद्योगिक घरानों आदि को मिल कर एक पहल करनी होगी। सामाजिक संस्थानों के माध्यम से ऐसी महिलाओं को प्रमाणित तथा एकत्रित करना होगा, जो अपने जीवन में आर्थिक उद्देश्य को पूरा करना चाहती हैं। सरकारों के माध्यम से औद्योगिक घरानों को दिशा-निर्देश दिए जाएं कि वे आगे बढ़ कर सामाजिक संगठनों के साथ मिल कर एक सामंजस्य स्थापित करें, ताकि ऐसी महिलाओं को उनके आर्थिक उद्देश्य के लिए किसी विशेष तरह के रोजगार के लिए शिक्षित और प्रशिक्षित किया जा सके। इस संदर्भ में सिलाई, कढ़ाई, पेंटिंग, ब्यूटी पार्लर, कुकिंग से संबंधित कई तरह के प्रशिक्षण दिए जा सकते हैं। यह सब कई जगह किया भी जा रहा है।

अब सबसे ज्यादा जरूरत इस बात की है कि इन प्रशिक्षण शिविरों के बाद भी ऐसी प्रशिक्षु महिलाओं को उद्यमिता के बारे में भी सिखाया जाए, जिसके अंतर्गत मुख्य रूप से गुणवत्ता प्रबंधन तथा सोशल मीडिया के विभिन्न स्रोतों के माध्यम से अपने उत्पाद की मार्केटिंग के नए तौर-तरीके जानना अत्यंत आवश्यक है। अक्सर देखा जाता है कि प्रशिक्षण शिविर के बाद भी कम पढ़ी-लिखी महिलाएं रोजगार में सलंग्न नहीं होतीं, क्योंकि उनमें उद्यमिता अपनाने का आत्मविश्वास नहीं होता है। जरूरत है इन महिलाओं को प्रेरित और जागरूक करने की, ताकि बैंकिंग सुविधाओं और आर्थिक सहयोग से उन्हें उद्यमिता की तरफ मोड़ा जा सके। यह समाज में एक क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है।

परमजीत सिंह बोहरा
(वरिष्ठ पत्रकार)

राज-विचार

उद्धव का संकट बढ़ता जा रहा

महाराष्ट्र में जैसे-जैसे दिन बीत रहे हैं, उद्धव ठाकरे का संकट और बड़ा होता जा रहा है। अगर सुप्रीम कोर्ट ने 16 विधायकों को अयोग्य करार दिया, तो यह उद्धव ठाकरे के लिए सबसे बड़ा झटका होगा। उनकी विधानसभा में उपस्थिति भी खत्म हो जाएगी।

महाराष्ट्र की राजनीति में जो हुआ, उसकी उम्मीद कुछ ही लोगों को रही होगी। एकनाथ शिंदे को सीएम की कुर्सी दिए जाने के ऐलान में उद्धव ठाकरे के लिए कई संदेश हैं। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे सरकार नहीं बचा सके। पार्टी पर भी उनकी पकड़ नहीं रही। महाराष्ट्र में जैसे-जैसे दिन बीत रहे हैं, उद्धव का संकट और बड़ा होता जा रहा है। सभी की नजर सुप्रीम कोर्ट पर हैं। जहां 11 जुलाई तक जवाब पेश करना है और 12 जुलाई को सुनवाई। फिलहाल अभी तो एकनाथ शिंदे के हाथों में महाराष्ट्र की कमान जाने का मतलब उद्धव ठाकरे के राजनीतिक रूप से निष्प्राण होने के बराबर है। शिवसेना हमेशा व्यक्ति केंद्रित पार्टी रही है। जब तक बाल ठाकरे रहे तब तक शिवसेना मतलब बाल ठाकरे ही हुआ करता था। राज ठाकरे राजनीति में काफी सक्रिय थे।

लोग उन्हें बाल ठाकरे के वारिस के रूप में देखने लगे थे, पर बाल ठाकरे ने बेटे उद्धव को कार्यकारी अध्यक्ष बना कर यह साफ कर दिया कि विरासत बेटे को ही मिलेगी, भतीजे को नहीं। फोटोग्राफी में ग्रेजुएट उद्धव राजनीति के माहिर खिलाड़ी साबित नहीं हो सके। शिवसेना में पिता जैसी पकड़ बना कर नहीं रख सके। न ही मुद्दों को लेकर पिता जैसी आक्रामकता दिखा सके। उन्होंने पिता की किंग के बजाय किंगमेकर बने रहने की नीति भी छोड़ दी, बल्कि कहा जा सकता है कि वह सत्ता और पुत्र के मोह में पड़ गए। न केवल खुद सीएम बने, बल्कि बेटे आदित्य को काफी कम उम्र में मंत्री भी बना दिया। शिवसेना की स्थापना 1966 में बाल ठाकरे ने की थी। यह नाम बाल ठाकरे के पिता का दिया हुआ था। उन्होंने जब बाल ठाकरे को महाराष्ट्र के आम लोगों की बेरोजगारी-बदहाली के प्रति अपनी भावना कार्टून व अन्य छिटपुट गतिविधियों के जरिए व्यक्त करते देखा तो सलाह दी कि यह काम संगठित रूप से करें।

इसी सलाह के बाद बाल ठाकरे ने शिवसेना बनाई। संगठन बनाने के साथ ही बाल ठाकरे ने दक्षिण भारतीयों को दुश्मन नंबर एक मान कर उनके खिलाफ बिगुल बजा दिया। ठाकरे ने कहा 'यांडुगुंडु' मराठी लोगों की नौकरियां ले जा रहे हैं। उनके इस स्टैंड को युवाओं का भरपूर साथ मिला और बाल ठाकरे के साथ-साथ शिवसेना की लोकप्रियता बढ़ती गई। शिवसेना के निर्माण के बाद से महाराष्ट्र की राजनीति का खालीपन भी भरता गया। संयुक्त महाराष्ट्र की लड़ाई लड़ रही संयुक्त महाराष्ट्र समिति की हालत खस्ता हो गई थी और इसका फायदा शिवसेना को मिला। स्थानीय लोगों की भावनाओं को आवाज देने वाले के रूप में बाल ठाकरे की लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई। बाल ठाकरे ने उग्र और हिंसक रास्ता अख्तियार कर जनभावनाओं को खूब भुनाया। उद्धव ऐसा करने में कामयाब नहीं रहे। अब उनके पास विधायक और सत्ता भी नहीं है। उनके पास समय भी कम है। चुनाव में ढाई साल ही बचे हैं। ऐसे में कैडर बचाना-बढ़ाना भी आसान नहीं होगा।

भारत का बढ़ता अंतरराष्ट्रीय महत्व

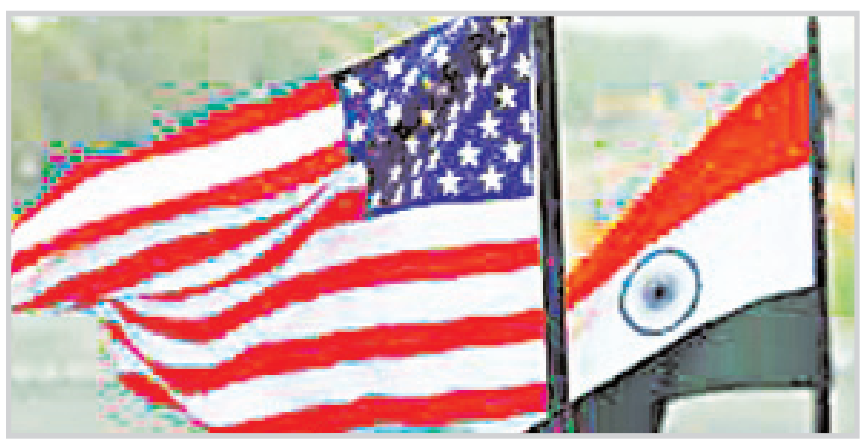

जी-7 की बैठक ऐसे समय में हुई है, जब विश्व के समक्ष कोरोना का असर, वैश्विक मुद्रास्फीति, रूस-यूक्रेन युद्ध, अन्य भू-राजनीतिक संकट, खाद्य संकट, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक गंभीर चुनौतियां हैं। उल्लेखनीय है कि जर्मनी के नेतृत्व ने पहले इस सम्मेलन में जलवायु के मुद्दे को प्राथमिकता देने का निर्णय किया था, किंतु यूक्रेन पर रूस के हमले ने तात्कालिक समस्याएं पैदा कर दीं।

जर्मनी में हाल ही में हुई जी-7 की बैठक का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें वैश्विक दक्षिण के अनेक लोकतंत्रों के नेताओं ने भाग लिया। जर्मनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा अर्जेंटीना, इंडोनेशिया, सेनेगल व दक्षिण अफ्रीका के नेताओं को सम्मेलन में आमंत्रित किया था। इस सम्मेलन का प्रमुख विषय यूक्रेन पर रूसी हमले से उत्पन्न खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा था। भारत को आमंत्रित करने से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि दुनिया के सबसे धनी और विकसित सात देशों के इस समूह ने समझा है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में जो भावी परिवर्तन होंगे, उनके संदर्भ में भारत को विश्वास में लेना और सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। रूस-यूक्रेन मसले पर भारत का जो रुख रहा है, उसे लेकर कहा जा रहा था कि विकसित देश भारत पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन जी-7 के शिखर सम्मेलन में भारत को आमंत्रित करना यह दर्शाता है कि भारत के ऊपर किसी भी तरह का दबाव नहीं है।

भारत ने हमेशा यह कहा है कि इस मुद्दे पर वह तटस्थ है और इसके पीछे मुख्य वजह हमारे राष्ट्रीय हित हैं। इस आयाम को विकसित देशों और शेष विश्व को भी समझना होगा। भारत ने कभी भी हमले को उचित नहीं ठहराया है और परस्पर संवाद एवं शांतिपूर्ण तरीके से विवाद को सुलझाने का आह्वान करता रहा है। प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मेलन में बुलाने से यह इंगित होता है कि पश्चिम ने भी भारत के रुख को समझा है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि समूह के देश इस वास्तविकता को भी बखूबी समझ रहे हैं कि भविष्य में जो भी पुनर्निर्माण होना है या खाद्य संकट का समाधान निकालना है, इसमें भारत की भूमिका बहुत अहम है। समूह इस वास्तविकता से भी अवगत है कि आने वाले समय जो चुनौतियां विकसित देशों के सामने आ सकती हैं, खासकर रूस के रवैये के बाद, उनका सामना करने में भी भारत के सहयोग की आवश्यकता होगी।

यह भी जगजाहिर हो चुका है कि चीन अपने वैश्विक वर्चस्व के विस्तार में जुटा हुआ है। चीन पर पश्चिमी देशों का जो भरोसा रहा था, वह टूट चुका है। इस पहलू को देखा जाए, तो पश्चिम को भारत के साथ की जरूरत है। जिस गति से वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव हो रहा है, उसमें विकसित देश भारत को अनदेखा कर अपनी स्थिति को मजबूती नहीं दे सकते हैं। पिछले कुछ समय से भारत की कूटनीतिक सक्रियता में, चाहे वह अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में हो या क्षेत्रीय संदर्भ में, बड़ी तेजी आई है। विश्व पटल पर भारत को इसी तरह से बिना किसी दबाव में आए हुए अपनी कूटनीतिक स्थिति को विस्तार देना चाहिए। इसे अन्य देश भी रेखांकित कर रहे हैं और जी-7 का आमंत्रण उसकी पुष्टि करता है।

निश्चित रूप से अनेक मुद्दों पर सहमति-असहमति का सिलसिला चलता रहता है। कुछ समय पहले जब भारत ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था, तो जर्मनी और पश्चिम के कुछ अन्य देशों ने भारत को इस पर पुनर्विचार का आग्रह किया था। उनका कहना था कि इससे वैश्विक खाद्य संकट और बढ़ जाएगा। संभव है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी को निर्यात प्रतिबंध हटाने या उसमें कुछ ढील देने का आग्रह पश्चिमी देशों की ओर से किया जाए। वैसे भी भारत ने कहा है कि अगर किसी सरकार की ओर से गेहूं आयात करने का अनुरोध आता है, उस पर सकारात्मक ढंग से विचार किया जाएगा।

यह निर्णय भारत ने अपनी खाद्य सुरक्षा को देखते हुए लिया है, क्योंकि अनाज के कम पैदावार की आशंका जताई जा रही है और मुद्रास्फीति भी बढ़ी हुई है। हमारे पास समुचित मात्रा में अनाज उपलब्ध है और कोई खाद्य संकट नहीं है। ऐसे में भारत वैश्विक संकट के समाधान में मदद करने की स्थिति में है। वैसे भी निर्यात पर रोक कोई स्थायी निर्णय नहीं है। जी-7 की इस बैठक से ठीक पहले क्वाड और ब्रिक्स समूहों के शिखर सम्मेलन हुए हैं। भारतीय नेतृत्व की भागीदारी तीनों आयोजनों में रही है। जैसा कि ऊपर उल्लिखित किया गया है, भारत ने विभिन्न मंचों पर संतुलित, सकारात्मक और सक्रिय भूमिका निभाई है तथा स्वतंत्र विदेश नीति पर अग्रसर होने का प्रयास किया है।

रूस-यूक्रेन संकट के प्रारंभिक दिनों में पश्चिमी देशों ने भारत को अपने पाले में लाने की बड़ी कोशिश की थी और एक प्रकार से दबाव बनाने का भी प्रयास हुआ था, पर भारत दुनिया को यह समझा पाने में सफल रहा है कि उसके लिए उसके रणनीतिक, आर्थिक और राजनीतिक हित प्राथमिक हैं। क्वाड बैठक में जो बड़ी आर्थिक पहल हुई है, उसमें भारत पूरी तरह से समूह के अन्य देशों के साथ खड़ा है। क्षेत्रीय व्यापार गठबंधन के माध्यम से चीन अपने व्यावसायिक वर्चस्व को जिस तरह बढ़ाने में लगा हुआ है, उसके बरक्स क्वाड की आर्थिक पहल महत्वपूर्ण हो जाती है, जिसके तहत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

भारत की सक्रियता आक्रामक नहीं है। चीन के विरुद्ध भी भारत का रवैया आक्रामक नहीं रहा है। चीन ने ही सीमा विवाद को लेकर उन्मादी व्यवहार किया है। भारत सोची-समझी नीति के तहत क्वाड में भी उतनी ही दिलचस्पी ले रहा है, जितनी ब्रिक्स में। क्षेत्रीय स्तर पर भारत सक्रिय है। मालदीव, श्रीलंका, नेपाल आदि पड़ोसी देशों के मामलों में यह देखा जा सकता है। कुछ समय पहले बिमस्टेक समूह की भी बैठक हुई थी, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी भी शामिल हुए थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर कई देशों की यात्रा कर चुके हैं और भारत की स्थिति को उन्होंने सफलतापूर्वक सामने रखा है। विकसित देश भारत की सक्रियताओं और स्वतंत्र कूटनीति के महत्व को समझ रहे हैं तथा भारत के सहयोग की आवश्यकता से भी वे आगाह हैं। भारत भी सभी देशों के साथ सहकार की भावना से संबंध स्थापित करना चाह रहा है।

ब्रिक्स के ठीक बाद जी-7 का सम्मेलन बेहद अहम है। इसमें भारत की मौजूदगी चीन को जरूर अखर रही होगी। जी-7 दुनिया के वो देश हैं जो दुनिया की आर्थिक व्यवस्था का माडल तैयार करते हैं। जी-7 जैसे संगठन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी यह दर्शाती है कि भारत की एक स्वतंत्र नीति है। यह भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और दुनिया में उसके बढ़ते दबदबे को दर्शाता है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने दुनिया को यह दिखा दिया कि भारत अब सक्षम और स्वावलंबी राष्ट्र है। कोरोना काल में जब दुनिया में कोहराम मचा था उस वक्त पूरे विश्व की नजर भारत पर टिकी थी। भारत ने हर स्तर पर अपने पड़ोसी और मित्र राष्ट्रों की मदद की थी।

ब्रिक्स के बाद भारत की जी-7 में मौजूदगी भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की ओर संकेत देती है। भारत ने यह दिखा दिया कि वह चीन और रूस के साथ ब्रिक्स में खड़ा है तो वह अमेरिका व पश्चिमी देशों के साथ जी-7 में भी उपस्थिति है। यही कारण है कि भारतीय विदेश नीति का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। जी-7 में प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत का लक्ष्य सतत विकास है। वह किसी गुटबाजी का हिस्सा नहीं हो सकता है। भारत क्वाड का सदस्य देश है तो वह ब्रिक्स का भी हिस्सा है।

धनंजय त्रिपाठी
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

हमारा उद्धव ठाकरे के साथ कोई व्यक्तिगत लेना-देना नहीं है। हम शिवसैनिक हैं और शिवसेना हमारी है। बाला साहेब के विचारों की तिलांजलि नहीं दे सकते।

एकनाथ शिंदे, मुख्यमंत्री

शिवेसना किसकी है और किसकी नहीं, यह पूरा देश जानता है। शिवसेना पर अधिकार की लड़ाई का कोई मतलब नहीं है। अभी हम जनाधार बढ़ाने में लगे हैं।

आदित्य ठाकरे, विधायक

सत्यार्थ

व्यवहार में होती है श्रेष्ठता

किसी कंपनी को एक योग्य व्यक्ति की तलाश थी। इसके लिए उसने अखबारों में विज्ञापन दिया। पचास लोग साक्षात्कार देने आए। साक्षात्कार लेने खुद कंपनी का मालिक अपने एक मित्र के साथ बैठा। साक्षात्कार के बाद उस पद के लिए एक ऐसे व्यक्ति का चयन कंपनी के मालिक ने किया, जो कि दिखने में बिलकुल ही सामान्य था। उसके पास कोई अतिरिक्त योग्यता भी नहीं थी। मित्र ने पूछा- साक्षात्कार के लिए यहां बड़ी-बड़ी डिग्रियां और सिफारिशें लेकर लोग आए। तुमने सबको खारिज कर दिया, पर तुमने एक ऐसे व्यक्ति को ही क्यों चुना, जिसके पास न तो खास योग्यता है और न ही वह कोई सिफारिशी खत लाया था। इस पर मालिक ने कहा- तुम गलत समझ रहे हो। कई बातों ने उस की खूब सिफारिश की है। जब वह साक्षात्कार देने आया तो उसने डोरमैट पर अपने जूते रगड़े, फिर कमरे में दाखिल हुआ। उसने दरवाजा धीमे-से बंद किया। इससे पता चला कि वह कितना सलीकेदार है। वह साक्षात्कार देने आए एक विकलांग प्रत्याशी के लिए फौरन अपनी सीट छोड़कर उठ खड़ा हुआ। जाहिर है, वह दूसरों का खयाल रखने वाला है। फर्श पर पड़ी हुई पुस्तक को उसने उठाकर मेरी मेज पर रखा, जबकि दूसरे लोग इसके प्रति लापरवाह बने रहे। मैंने देखा कि उसके कपड़े साफ-सुथरे थे व दांत दूध की तरह सफेद और चमकीले थे। उसकी ये आदतें हजारों सिफारिशी खतों पर भारी हैं। मैं दस मिनट किसी को ठीक से देखकर उसका चरित्र पहचान सकता हूं। कोई भी सिफारिशी खत उसके विषय में इतना स्पष्ट नहीं कर सकता। मनुष्य की श्रेष्ठता उसके व्यवहार से अपने आप प्रकट होती रहती है। वाकई हमारी आदतें ही हमारी श्रेष्ठता को स्पष्ट करती हैं।

सुभाष बुड़ावनवाला

रश्मिका मंदाना को पहली फिल्म के लिए मिला था डेढ़ लाख का चेक

साउथ इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने हाल ही में कॉस्मेटिक प्रोडक्ट की दुनिया में बतौर बिजनेस वुमन एंट्री की है। एक्ट्रेस की मानें तो बिजनेस की दुनिया में इस वक्त उतरना उनके लिए सबसे अच्छा था, जिसे लेकर वे काफी खुश हैं। फिल्मों की बात करें तो रश्मिका जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली हैं। 'मिशन मजनू' में वो सिद्धार्थ मल्होत्रा के अपोजिट नजर आएंगी। इस फिल्म के अलावा एक्ट्रेस रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल' और अमिताभ बच्चन स्टारर 'गुडबाय' में भी लीड रोल में नजर आने वाली हैं। रश्मिका ने बताया कि उन्होंने एक ब्यूटी प्रोडक्ट के साथ टाई अप किया है। उन्होंने कहा, 'बिजनेस एक अलग ही दुनिया है, जो बहुत इंटरेस्टिंग है। जब इस कॉस्मेटिक ब्रांड ने मुझे एप्रोच किया, तब मैं ये जानना चाहती थी कि आखिर बिजनेस कैसे होता है। मुझे समझ आया कि ये एक अच्छा टाइम है, खुद को बतौर बिजनेस वुमन एक्सप्लोर करूं।'

बिग बॉस ओटीटी से कटा करण जौहर का पत्ता

विवादित कंटेस्टेंट्स के चलते बिग बॉस का लगभग हर एक सीजन खूब हिट रहा है। इसी के चलते इसके ओटीटी वर्जन को भी लाया गया, जिसे लोगों ने मिला-जुला रिस्पॉन्स ही दिया। बीते साल ही इस शो को वूट पर लॉन्च किया गया और इसे बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर करण जौहर ने होस्ट किया। बतौर होस्ट करण जौहर ने अपनी ओर से 100 प्रतिशत देने की पूरी कोशिश की। अब इस शो के नए सीजन की सुगबुगाहट शुरू हो चुकी है। बीते दिनों ही कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि इस बार करण जौहर नहीं बल्कि हिना खान इस शो को होस्ट करेंगी। यह खबर हिना खान के फैन्स के लिए किसी सपने से कम नहीं था लेकिन अब मामला पलटता हुआ नजर आ रहा है।

लंबे वक्त के बाद फिर बोल्ड अवतार में नजर आईं मौनी रॉय

टेलीविज़न से बॉलीवुड तक अपने हुसन के जलवे बिखेरने वाली अभिनेत्री मौनी रॉय एक बार फिर से इंटरनेट पर सुर्खियों बटोर रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने मंगलवार को अपनी कुछ हॉट तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की। तस्वीरें पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गयी और लोगों के दिलों में खलबली मच गयी। मौनी तस्वीरों में इतनी हॉट लग रही थीं कि उन्हें देखकर उनके फैंस के साथ सोशल मीडिया यूज़र्स के होश उड़ गए हैं।

अभिनेत्री मौनी रॉय ने अपने खुद के सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी ये दिलकश तस्वीरें शेयर की। इन्हें शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 卐बारिश के बाद जब सूरज निकलता है卐। तस्वीरों में मौनी नीले और सफ़ेद रंग की प्रिंटेड बिकिनी पहनें कैमरे के सामने खड़ी होकर अपने हॉट फिगर का फ्रंट और साइड व्यू फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। बिकिनी में अभिनेत्री काफी सेक्सी लग रही हैं और उनका हॉट फिगर हर एंगल से जबरदस्त लग रहा है। मौनी की यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं और लोग उनके फिगर को देखकर आहें भरने पर मजबूर होते दिखाई दे रहे हैं। कुछ घंटों में ही लाखों लोग अभिनेत्री की इन तस्वीरों को लाइक कर चुके हैं। मौनी के फिगर की तारीफ करने के लिए लोग हॉट, सेक्सी, जबरदस्त जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री मौनी रॉय जल्द ही फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाली हैं। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, नागार्जुन, अमिताभ बच्चन जैसे बड़े सितारें भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म 9 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म मौनी टेलीविज़न के रियलिटी शो डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स के पांचवें सीज़न को जज करती नजर आ रही हैं।

आलिया भट्ट के फैन ने उनकी मां के साथ बनाया वीडियो

आलिया भट्ट अपनी मां सोनी राजदान पर पड़ी हैं। कई तस्वीरों में दोनों की मिलती हुई शक्ल ने लोगों का ध्यान खींचा है। अब आलिया के एक फैन ने वीडियो एडिट किया है। इसमें उसने दिखाया है कि सोनी राजदान और आलिया की सूरत किस हद तक मिलती है। इस वीडियो क्लिप को सोनी राजदान ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है और तारीफ की है। इस वीडियो में सोनी राजदान की फिल्म मंडी और आलिया की फिल्म गंगूबाई काठियाबाड़ी के सीन हैं। साथ में गंगूबाई का गाना मेरी जान बैकग्राउंड में बज रहा है। सोनी राजदान ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करके लिखा है, कहना पड़ेगा कि शानदार एडिट से मैं हैरान हूं। शुक्रिया @alia.bhatt.edits वक्त निकालकर इसे एडिट करने का। फैन पेज ने सोनी के लिए लिखा है, मेरा दिन बन गया। शुक्रिया।

साड़ी पहन दिशा पाटनी ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह फैंस के साथ अक्सर अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इन दिनों फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' के प्रमोशन में बिजी दिशा का सिजलिंग अवतार देखने को मिल रहा है। हाल ही में दिशा ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है। इन तस्वीरों में दिशा ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही हैं। साड़ी में भी दिशा की हॉटनेस में भी कोई कमी नहीं आई है। तस्वीरों में वह पेस्टल पिंक कलर की नेट की साड़ी पहने नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने सिल्वर कलर का ब्लाउज पहना है। दिशा पाटनी की इस साड़ी को डिजाइनर फाल्गुन शेन पिकॉक ने डिजाइन किया है। दिशा ने अपने लुक को खुले बाल, लाइट मेकअप के साथ ईयरिंग्स से कंप्लीट किया है। दिशा पाटनी साड़ी में बेहद हॉट लग रही हैं। उनका ट्रेडिशनल लुक फैंस को काफी पसंद आ रही है। एक यूजर ने लिखा, 'सेक्सी गर्ल इन देसी स्टाइल।' दिशा पाटनी जल्द ही 'एक विलेन रिटर्न्स' में अर्जुन कपूर, जॉन अब्राहम और तारा सुतारिया के साथ नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह केटीना, योद्धा, किक 2 और प्रभास के साथ प्रोजेक्ट के में दिखेंगी।

निया शर्मा कर रही हैं एक्टर राहुल सुधीर को डेट?

रिलेशनशिप की अफवाहों पर एक्ट्रेस ने तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस निया शर्मा टीवी जगत की सबसे हॉट और बोल्ड एक्ट्रेसेस में से एक हैं। निया कभी अपने कपड़ों तो कभी बर्थडे केक को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। निया को उनके बेबाक अंदाज के लिए जाना जाता है। वे उन एक्ट्रेसेज में से हैं जो अपनी जिंदगी को खुलकर जीती हैं। इन दिनों निया अपने रिलेशनशिप स्टेटस के कारण चर्चा में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान निया ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में खुलकर बात की। निया ने सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत के दौरान एक्टर राहुल सुधीर के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर बात की।

दरअसल, कुछ समय से ऐसे रूमर्स थे कि निया शर्मा और राहुल सुधीर रिलेशनशिप में हैं। इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि, 'वह केवल मेरा एक अच्छा दोस्त है। वह भी काफी क्लोज वाला। अगर कोई चाहता है कि मैं इस टॉपिक के बारे में बात करूं तो मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। जो बताया है वही सच है। मैं यह दिखावा नहीं कर सकती कि मैं उसे नहीं जानती। वह मेरा दोस्त है, बहुत क्लोज दोस्त है और मैं उसे पसंद भी करती हूं।'

आपको बता दें कि निया शर्मा और राहुल सुधीर डायरेक्टर विक्रम भट्ट की वेब सीरीज ट्विस्टेड में साथ नजर आए थे। इसके बाद से ही दोनों के रिलेशनशिप के रूमर्स थे। राहुल संग अपने रिलेशन की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए निया ने कहा कि, 'कोई पॉइंट नहीं है कि मैं इसके बारे में बात करूं। अगर मैं करती भी हूं तो उससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा लाइफ में कुछ बदल नहीं जाएगा, ना मेरी और ना ही मेरे फैंस की। क्या मैं शादी करने वाली हूं तो नहीं ऐसा अभी कुछ नहीं होने वाला है। कुछ और चल रहा है? तो नहीं और मैं यहां किसी को प्रूव क्यों करूं? मुझे लगता है कि राहुल सुधीर से भी यही सवाल किया जाना चाहिए उनका भी कॉमेंट सुनना चाहिए कि वह इस पर क्या कहते हैं।

भारत की इंग्लैंड में सबसे बड़ी जीत | पांड्या अर्धशतक के साथ 4 विकेट लेने वाले पहले भारतीय

पहले टी-20 में भारत की 'हार्दिक' जीत

बिर्मिंघम | एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले टी-20 में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लिश टीम को 50 रन से करारी शिकस्त दी। ये टीम इंडिया की टी 20 में इंग्लैंड में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले इंग्लैंड में खेले गए 2009 के वर्ल्ड कप में भारत ने बांग्लादेश को 25 रन से हराया था। मैच में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 198 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड 19.3 ओवर में 148 रन ही बना पाई। भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट हार्दिक पंड्या ने लिए। उन्होंने 33 रन देकर 4 विकेट झटके। वहीं, बल्लेबाजी के दौरान उन्होंने 51 रन भी बनाए। वो भारत के लिए एक मैच में अर्धशतक जमाने के साथ-साथ 4 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। उन्हें मैन ऑफ द मैच भी चुना गया।

सलामी बल्लेबाज हुए सस्ते में आउट

टीम इंडिया के दोनों सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और ईशान किशन मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाए। रोहित के बल्ले से 14 गेंद में 24 रन निकले, तो वहीं ईशान किशन 10 गेंद में 8 रन बनाकर आउट हो गए। दोनों विकेट मोईन अली के खाते में आए।

दीपक हुड्डा-सूर्यकुमार बल्ले से चमके

भारत की पारी के दौरान सूर्यकुमार यादव ने 19 गेंद में 39 रन बनाए। वहीं, नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आए दीपक हुड्डा ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 17 गेंद में 33 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 3 चौके और 2 छक्के निकले। जिस तरह दीपक खेल रहे थे, ऐसा लगा कि वो बड़ी पारी खेलेंगे, लेकिन टाइमल मिल्स ने उन्हें क्रिस जॉर्डन के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेज दिया।

एक ओवर में हार्दिक ने दो बल्लेबाजों को भेजा पवेलियन

इंग्लैंड की पारी के दौरान एक ही ओवर में हार्दिक ने दो इंग्लिश बल्लेबाज को पवेलियन भेजा। 5वें ओवर के दूसरी गेंद पर हार्दिक ने डेविड मलान को क्लीन बोल्ड किया और ओवर की आखिरी गेंद पर लियाम लिविंगस्टोन को दिनेश कार्तिक के हाथों कैच करवाया। इसके बाद 7वें ओवर में उन्होंने इंग्लैंड को एक और झटका दिया और जेसन रॉय को भी पवेलियन भेजा।

अर्शदीप सिंह भारत के 99वें टी-20 खिलाड़ी बने

मैच में भारत के लिए अर्शदीप सिंह ने डेब्यू किया। वो भारत के लिए टी-20 खेलने वाले 99वें खिलाड़ी बने। उन्हें रोहित शर्मा ने डेब्यू कैप सौंपी। अपने पहले मैच में ही अर्शदीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3.3 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट झटके।

भारत vs इंग्लैंड दूसरा टी-20

युवाओं के अच्छे प्रदर्शन के बीच वापसी कर रहे कोहली पर दबाव बढा

इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को दूसरे मैच के जरिये पांच महीने बाद टी-20 क्रिकेट में वापसी कर रहे भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पर लंबे खराब फॉर्म से निजात पाने का भारी दबाव होगा । कोहली ने आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच फरवरी में खेला था । अक्टूबर नवंबर में टी20 विश्व कप में भारत के खराब प्रदर्शन के बाद से वह सिर्फ दो टी20 मैच खेले हैं । उन्होंने इस दौरान सिर्फ आईपीएल में टी20 क्रिकेट खेला लेकिन उसमें भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके ।

टीम की रोटेशन नीति के तहत कोहली और अन्य सीनियर खिलाड़ियों को समय समय पर आराम दिया जाता है । उनकी जगह दीपक हुड्डा जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया और उसके फॉर्म को देखते हुए उसे टीम से बाहर कर पाना मुश्किल होगा।

कोहली के क्रम पर बल्लेबाजी कर रहे हुड्डा ने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच में 17 गेंद में 33 रन बनाये । अगर उन्हें बरकरार रखा जाता है तो कोहली को कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज करना होगा। ऐसे में ईशान किशन को बाहर रहना होगा । भारत को हालांकि 'फिनिशिंग' पर काम करना होगा । कोहली, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा और श्रेयस अय्यर भी टी-20 टीम से जुड़ गए हैं ।

टीमें :

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, हैरी ब्रूक, सैम कुरेन, रिचर्ड ग्लीसन, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, टाइमल मिल्स, मैथ्यू पार्किंसन, जेसन रॉय, फिल साल्ट, रीस टॉपली और डेविड विली।

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन, रुतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पांड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक।

मैच का समय :शाम सात बजे से ।

एफआईएच महिला विश्व कप

न्यूजीलैड से हारा भारत, क्रॉसओवर में स्पेन से खेलेगा

एम्सटेलवीन | एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच महिला विश्व कप पूल बी के अपने अंतिम मैच में मौके गंवाने का खामियाजा न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को यहां 3-4 की हार के साथ भुगतना पड़ा लेकिन इसके बावजूद अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहते हुए टीम क्रॉसओवर में जगह बनाने में सफल रही। न्यूजीलैंड की टीम सात अंक के साथ पूल बी में शीर्ष पर रही। इंग्लैंड की टीम ने चार अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। भारत और चीन दोनों के दो-दो अंक रहे। भारत ने हालांकि बेहतर गोल अंतर के कारण क्रॉसओवर के लिए क्वालीफाई किया।

टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार चार पूल में शीर्ष पर रहने वाली चार टीम सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम क्रॉसओवर खेलेंगी। क्रॉसओवर मुकाबलों की विजेता टीम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। भारत का सामना पूल सी में दूसरे स्थान पर रही सह मेजबान स्पेन से रविवार को होगा । सह मेजबान नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, अर्जेंटीना और आस्ट्रेलिया पूल में शीर्ष पर रहकर क्वार्टर फाइनल में सीधे पहुंच गए हैं । भारत ने अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ मौके नहीं गंवाए होते तो टीम जीत दर्ज कर सकती थी। भारतीय टीम 15 पेनल्टी कॉर्नर में से सिर्फ एक पर ही गोल कर सकी।

भारत अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए रविवार को स्पेन के टेरेसा में होने वाले क्रॉसओवर में पूल सी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगा।

इन्होंने किये गोल

भारत के लिए गुरुवार को वंदना कटारिया (चौथे मिनट), लालरेमसियामी (44वें मिनट) और गुरजीत कौर (59वें मिनट) ने गोल दागे जबकि न्यूजीलैंड की ओर से ओलीविया मैरी (12वें और 54वें मिनट) ने दो जबकि टेसा योप (29वें मिनट) और फ्रांसिस डेविस (32वें मिनट) ने एक-एक गोल किया।

भारत की शुरूआत अच्छी रही और गेंद पर नियंत्रण भी खिलाड़ियों ने बनाये रखा । चौथे मिनट में लालरेम्सियामी के पुश पर वंदना ने डाइव लगाकर गोल करके भारत को बढ़त दिला दी । दसवें मिनट में शिमला देवी के पास बढ़त दुगुनी करने का मौका था लेकिन वह चूक गई हालांकि भारत को पेनल्टी कॉर्नर दिलाने में कामयाब रही । गुरजीत की दमदार फ्लिक को न्यूजीलैंड की गोलकीपर ब्रूक रॉबटर्स ने बचा लिया । न्यूजीलैंड को 12वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे ओलिविया मेरी ने गोल में बदला ।

दूसरे क्वार्टर के तीन मिनट बाद लालरेम्सियामी के शॉट को कीवी गोलकीपर ने बचा लिया । वहीं पेनल्टी कॉर्नर पर दीप ग्रेस इक्का का शॉट बाहर चला गया । हाफ टाइम से एक मिनट पहले भारत को डिफेंस में ढिलाई का खामियाजा भुगतना पड़ा और न्यूजीलैंड के लिये योप ने गोल कर दिया । दूसरे हाफ में न्यूजीलैंड ने आक्रामक शुरूआत की और लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर बनाये जिनमें से एक को डेविस ने गोल में बदला । लालरेम्सियामी ने भारत के लिये 44वें मिनट में गोल किया ।

दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लिजेल ली ने क्रिकेट से लिया सन्यास

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम की विस्फोटक बल्लेबाज लिजेल ली ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा की। 30 वर्षीय ली ने यहां जारी एक बयान में कहा कि वह विभिन्न अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग में खेलना जारी रखेंगी। साल 2021 की आईसीसी प्लेयर ऑफ द इयर ली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरूआत 2013 में बांग्लादेश के खिलाफ खेली गयी टी20 श्रंखला से की थी।

उन्होंने दो टेस्ट, 100 एकदिवसीय और 82 टी20 मैचों में प्रोटियाज टीम का प्रतिनिधित्व किया। एकदिवसीय मैचों में 3,315 रन बनाकर वह दक्षिण अफ्रीका की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने इस दौरान तीन शतक और 23 अर्धशतक भी लगाये हैं। टी20 मैचों में उन्होंने एक शतक और 13 अर्धशतकों के साथ 1,896 रन बनाये हैं। वह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला खिलाड़ी हैं।

क्वार्टर फाइनल मैच में ताई से हार कर बाहर हुईं पीवी सिंधु, उम्मीदें अब प्रणय से

कुआलालंपुर | एजेंसी

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल मैच में हार कर बाहर हो गई हैं। उन्हें चीन ताई जू येंग के खिलाफ 13-21, 21-12, 12-21 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु की हार के साथ ही इस टूनार्मेंट में एचएस प्रणय भारत की एकमात्र उम्मीद बचे हैं। उनका मुकाबला जापान के कांता सुनेयामा से होगा।

55 मिनट तक चले मैच में सिंधु की हार के बाद ताई के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 5-17 का हो गया है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक 22 मैच हुए हैं। इनमें से 17 मैच ताई ने जीते हैं, जबकि पीवी सिंधु सिर्फ पांच मैच जीत पाई हैं। सिंधु 2019 के बाद से ताई के खिलाफ कोई मुकाबला नहीं जीती हैं। इससे पहले ताई ने सिंधु को मलेशिया ओपन में भी क्वार्टर फाइनल मैच में हराया था। सिंधु ने आखिरी बार 2019 में बासेल में हुई विश्व चैंपियनशिप में ताई को हराया था और इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया था।

पहले गेम में एक समय स्कोर 10-9 था, लेकिन ताई ने लगातार पांच प्वाइंट लेकर 15-9 की बढ़त ले ली और मैच जीतने तक बढ़त बनाए रखी। हालांकि, दूसरे गेम में सिंधु ने शानदार वापसी की और 11-4 की बढ़त बना ली। उन्होंने अंत तक बढ़त बनाए रखी और दूसरा गेम जीतकर बराबरी कर ली।

मैच का तीसरा गेम निर्णायक था और सिंधू ने काफी गलतियां की। वहीं, ताई बेहतरीन लय में दिखीं और गेम आसानी से जीतकर मैच भी अपने नाम कर लिया।

8 बांग्लादेशी गेंदबाजों पर भारी पड़े पूरन

39 गेंद में बनाए 74 रन, 5 छक्के भी उड़ाए

»वेस्ट इंडीज ने 5 विकेट से जीता मुकाबला

गुयाना | एजेंसी

वेस्ट इंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन ने शुक्रवार को बांग्लादेशी गेंदबाजों की खूब क्लास ली। उन्होंने 5 छक्कों से सजी 39 गेंदों में 74 रनों की विस्फोटक पारी खेली। पूरन की इस पारी की बदौलत वेस्ट इंडीज ने तीसरे टी-20 मुकाबले में बांग्लादेश पर पांच विकेट की आसान जीत दर्ज की। इस जीत से वेस्ट इंडीज ने तीन मुकाबलों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण नो रिजल्ट रहा था। सीरीज के आखरी मुकाबले में बांग्लादेश के कप्तान महमदुल्लाह ने 8 गेंदबाजों का प्रयोग किया, लेकिन कोई भी गेंदबाज कैरेबियाई बल्लेबाजों को रोक नहीं पाया। नसुम अहमद ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए, लेकिन वो काफी महंगे भी साबित हुए।

मैन ऑफ द मैच, सीरीज दोनों रहे पूरन

कप्तान निकोलस पूरन प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें मैन ऑफ द सीरीज भी चुना गया। पूरन ने तीन मुकाबलों में 108 रन बनाए हैं।

मेयर्स-पूरन ने शुरूआती झटकों से उबारा

प्रोविडेंस स्टेडियम में बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 163 रन बनाए। जवाब में वेस्ट इंडीज ने 18.2 ओवर में 5 विकेट खोकर जीत के लिए जरूरी रन बना डाले। बांग्लादेश के कप्तान महमदुल्लाह ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। लिटन दास ने 41 गेंद पर 49 रन बनाए। शाकिब अल हसन सिर्फ 5 रन पर आउट हो गए। अफीफ हुसैन ने मिडिल ऑर्डर में 38 गेंद पर 50 रन बनाए। कप्तान महमदुल्लाह ने भी 22 रन का योगदान दिया। टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने केवल 22 रन तक 2 विकेट गंवा दिए।

नडाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुद के हटने की दी जानकारी

विम्बलडन सेमीफाइनल से हटे चोटिल राफेल नडाल किर्गियोस फाइनल में, नोवाक जोकोविच की राह आसान

लंदन | एजेंसी

दूसरी सीड राफेल नडाल साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम विम्बलडन से हट गए हैं। शुक्रवार को सेमीफाइनल मुकाबले से ठीक पहले वर्ल्ड नंबर-4 खिलाड़ी नडाल ने अपना नाम वापस ले लिया। गुरुवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान वे चोटिल हो गए थे। उनके पेट में दिक्कत थी। यदि यह चोट बढ़ जाती तो उन्हें दो-तीन महीने के लिए कोर्ट से बाहर होना पड़ता। ऐसे में नडाल ने विम्बलडन से हटने का फैसला लिया। नडाल ने कहा, 'मैं इस दर्द के साथ दो मैच जीतने की कल्पना नहीं कर सकता। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज टाइटल के बजाय खुशी है। हालांकि, हर कोई जानता है कि मैंने इसमें कितना प्रयास किया, लेकिन मैं दो से तीन महीने के लिए खेल से बाहर होने का जोखिम नहीं उठा सकता।'

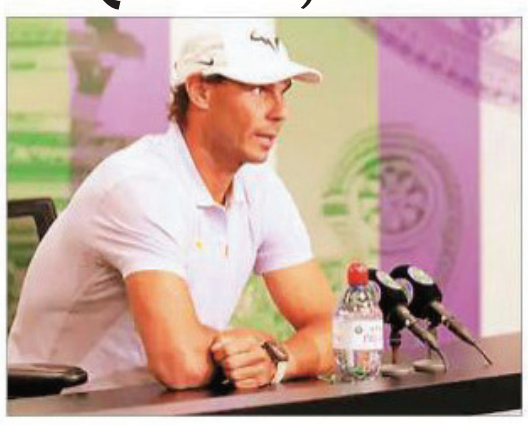

22 बार के ग्रैंड स्लैंड चैंपियन विम्बलडन के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे। उन्होंने एक महीने पहले फ्रेंच ओपन का खिताब जीता है।

जोकोविच के सामने दो चुनौतियां

नडाल के हट जाने से वर्ल्ड नंबर-3 नोवाक जोकोविच के जीत की राह आसान हो गई है। हालांकि, टाइटल तक पहुंचने के लिए सर्बियाई स्टार को अभी दो मुकाबले जीतने हैं। एक सेमीफाइनल और दूसरा फाइनल। याद दिला दें कि पिछले माह हुए फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में नडाल ने जोकोविच को 6-2, 4-6, 6-2, 7-6 से हराते हुए बाहर का रास्ता दिखाया था।

किर्गियोस फाइनल में, खिताबी मुकाबला जोकोविच-नारी के विनर से

36 साल के स्पेनिश खिलाड़ी के हटने से ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस फाइनल में पहुंच गए हैं। उनका सामना दूसरे सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच और कैमरून नारी के विजेता से होगा।

जेबुअर-रिबाकिना विमेन सिंगल्स के फाइनल में

तुनिशिया की ओंस जेबुआर और कजाखिस्तान की एलेना रिबाकिना ने विमेन सिंगल्स के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। दोनों के बीच 9 जुलाई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। जेबुआर तात्याना मारिया को 6-2, 3-6, 6-2 से हराया, जबकि रिबाकिना ने सिमोना हालेप को 6-3, 6-3 से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई।

सुभाष चौक स्थित जगन्नाथ मंदिर से भगवान जगन्नाथ की निकली सवारी

मरुधर हिन्द/दीक्षित कुमार

अलवर। अलवर शहर से हर वर्ष की भांति सुभाष चौक स्थित जगन्नाथ मंदिर से भगवान जगन्नाथ सजे-धजे रंग-बिरंगी पोशाक से जगमग इन्द्र विमान में सवार होकर माता जानकी को ब्याहने निकले। इस अवसर पर मंत्री टीकाराम जूली मुख्य अतिथि रहे व बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने पहुंचे। इससे पूर्व जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर केबिनेट मंत्री जूली ने पूजा अर्चना कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मंत्री जूली ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के कारण पिछले दो वर्षो से भगवान जगन्नाथ की यात्रा नहीं निकाली जा रही थी लेकिन इस वर्ष पूरी तैयारी के साथ धार्मिक वातावरण में भगवान जगन्नाथ की यह यात्रा मेला स्थल रूपबास पहुंचेगी। इस अवसर पर जिला कलक्टर जितेन्द्र सोनी, जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, महिला जिलाध्यक्ष कमलेश सैनी, पार्षद विक्रम यादव, गोरीशंकर, विजय, सोनू गोपालिया, राजेश कृष्ण सिद्ध, जोगेन्द्र कोचर, हरिशंकर रावत सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दसवीं की अंक तालिकाऐं प्राप्त करे

अरुण जोशी कुशलगढ़ की रिपोर्ट

कुशलगढ़। बोर्ड नोडल विद्यालय राउमावि कुशलगढ के प्रधानाचार्य भीमजी सुरावत ने बताया कि वर्ष 2022 में आयोजित कक्षा दसवीं की अंक तालिकाऐं ब्लॉक सज्जनगढ़ एवं कुशलगढ़ के समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों सहित एकलव्य आवासीय विद्यालय पाडोला आनंदपुरी एवं गांगड़तलाई के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झेर मोटी सहित कुल 117 विद्यालयों की अंक तालिकाऐं आज दिनांक 8 जुलाई को नोडल विद्यालय को प्राप्त हो चुकी हैं, इन अंक तालिकाओं का रजिस्टर संधारण करने के उपरांत वितरण सोमवार 11 जुलाई को बोर्ड परीक्षा प्रभारी श्री सुभाष चंद्र गरासिया द्वारा किया जाएगा अतः सभी संस्था प्रधान विद्यालय समय में अपनी-अपनी अंकतालिकाऐं प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

ओबीसी अधिकार मंच की चौपाल बैठक बांसवाड़ा जिले के छोटा डुंगरा के शांति कुटी मंदिर परिसर में आयोजित की गई

अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। ओबीसी अधिकार मंच की चौपाल बैठक बांसवाड़ा जिले के छोटा डुंगरा के शांति कुटी मंदिर परिसर में आयोजित की गई

बैठक में क्षेत्र के ओबीसी एमबीसी के नागरिकों ने उपस्थित होकर अपनी बात रखी। कांतिलाल पंचाल माँ त्रिपुरा सुंदरी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष तथा पूर्व उप जिला प्रमुख ने टीएसपी क्षेत्र के ओबीसी एमबीसी को आ रही समस्याओं को जल्द ही मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। उदयलाल दांतला मंडल अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा ने कहा कि राजनीतिक दल के ओबीसी संगठन यदि ओबीसी एमबीसी वर्ग की समस्याओं को लेकर आगे नहीं आते हैं तो सभी पदाधिकारियों को इस्तीफा दे देना चाहिए। इस्तीफे को लेकर सर्वप्रथम उन्होंने खुद ने इस मुद्दे पर अपने इस्तीफे की पेशकश रखी। रोहित कोठारी जिला महामंत्री भाजपा ओबीसी मोर्चा ने सभी को संगठित होकर ओबीसी एमबीसी की संवैधानिक मांगों को लेकर संघर्ष करने की जरूरत बताई। मांगीलाल लबाना उप प्रधान पंचायत समिति सज्जनगढ़ ने राजनीतिक दलों के ओबीसी एमबीसी पदाधिकारियों से ओबीसी एमबीसी की समस्याओं को आगे रखने का आह्वान किया। ईश्वर कलाल सज्जनगढ़ ने ओबीसी अधिकारों की रक्षा करने की जरूरत को बताया। लोकेंद्र पगारिया में राज्य में एमबीसी वर्ग को मिलने वाली छूट का प्रावधान टीएसपी में नहीं मिलना यहां के एमबीसी वर्ग के साथ कुठाराघात है। राजेंद्र सिंह खज्जा ने संवैधानिक प्रावधानों को लेकर जागरूक होने की जरूरत को बताया और राज्य में मिलने वाला एमबीसी को 5व आरक्षण टीएसपी में लागू करवाने की भी मांग रखी7 कुलदीप खज्जा ने ओबीसी एमबीसी के लोगों में अपने अधिकारों को जागृति के प्रति जागृति पैदा करने की जरूरत को बताया7 युवा मोहित खज्जा ने युवा शक्ति से इस मुद्दे पर आगे आने का आह्वान किया7 उपस्थित नागरिको ने ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर कई प्रश्न रखें इसका जवाब मंच के कार्यकर्ताओ ने कई उदाहरण के साथ समझाते हुए समझाते हुए दिया 7 जिगर कलाल भानपुरिया ने आर्थिक रूप से सहयोग करने की बात रखें7 भूपन मेरावत ने ओबीसी की जनगणना ना होना एक बहुत ही महत्वपूर्ण गंभीर विषय है जिस पर सभी को एकमत होकर निर्णय करने की आवश्यकता है 7 अंत में सभी ने आगामी जनगणना में ओबीसी की जनगणना नहीं होने पर जनगणना का बहिष्कार का प्रस्ताव पास किया7 सीए कोतुल पड़ियार ने ओबीसी के युवाओ को व्यापार के क्षेत्र मे एक दूसरे को सहयोग करने की बात रखी7 उदयसिंह हगावानिया ने टीएसपी के ओबीसी एमबीसी को राज्य मे ओबीसी एमबीसी को मिलने वाले संवैधानिक 21 प्रतिशत और 5 प्रतिशत आरक्षण लागू करवाने की माँग की, और इसके लिए आंदोलन के लिए तैयार होने का आह्वान किया7 टीएसपी मे एक भी कांग्रेस जिला अध्यक्ष ओबीसी वर्ग से नहीं होने पर कांग्रेस आलाकमान को स्थानीय नेताओ द्वारा गुमराह करने का आरोप लगाया गया तथा टीएसपी के चार जिलों के कांग्रेस जिला अध्यक्ष पदों मे से तीन ओबीसी एमबीसी को देने की माँग रखी7 कार्यक्रम में करण खज्जा, कल्पेश खज्जा, विदित गहलोत, संजय कलाल, तथा अन्य सभी वक्ताओं ने भी अपने अपने विचार रखें तथा ओबीसी अधिकार मंच को तन मन धन से सहयोग करने का वादा किया 7 ये जानकारी नरेश पटेल ने दी।

मोदी-आबे: एक विशेष सौहार्द

पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे का असामयिक निधन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए व्यक्तिगत क्षति है। ट्वीट्स की एक श्रृंखला में उन्होंने आबे के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच एक खास रिश्ता था और वर्षों से दोनों से एक-दूसरे के दोस्त थे।

2007 में जब श्री नरेन्द्र मोदी, गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में, श्री शिंजो आबे से पहली बार जापान यात्रा के दौरान मिले थे। श्री आबे उस समय जापान के प्रधानमंत्री थे। तब स्पेशल जेस्चर दिखाते हुए श्री आबे ने श्री मोदी की मेजबानी की थी और विकास के कई पहलुओं पर उनके साथ चर्चा की थी। तब से दोनों नेता कई मौकों पर एक-दूसरे से मिल चुके हैं, जिसने न केवल दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत हुए बल्कि उनके बीच एक चिरस्थायी बंधन भी विकसित हुआ।

2012 में श्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जापान की चार दिवसीय यात्रा की। इस यात्रा के दौरान भी श्री मोदी ने शिंजो आबे से मुलाकात की, तब वो उस समय विपक्ष के नेता थे।

दोनों नेताओं के बीच संवाद जारी रहा और दोनों देशों के बीच संबंध गहरे हुए, जब 2014 में श्री मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार जापान में क्योटो का दौरा किया। भारत-जापान संबंधों की जीवंतता को प्रदर्शित करते हुए श्री आबे ने पीएम मोदी के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया। पीएम आबे ने इस बात पर भी खुशी जताई थी कि पीएम मोदी ने क्योटो की सांस्कृतिक विरासत का आनंद लिया। दोनों नेताओं ने एक साथ क्योटो के तोजी मंदिर के दर्शन किए थे।

दोनों नेताओं के बीच मैत्रीपूर्ण समीकरणों के एक और प्रतिबिंब में पीएम आबे ने 2014 में G-20 शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिस्बेन में पीएम मोदी के लिए एक विशेष रात्रिभोज की मेजबानी की। उन्होंने 2014 में जापान की अपनी पांच दिवसीय यात्रा के दौरान क्योटो के इंपीरियल गेस्ट हाउस में पीएम मोदी के लिए रात्रिभोज की मेजबानी भी की थी।

2016 में जापान की एक और यात्रा के दौरान पीएम मोदी और पीएम आबे ने बुलेट ट्रेन की सवारी की। उन्होंने शिंकानसेन ट्रेन में सवार होकर टोक्यो से कोबे की यात्रा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2015 में वाराणसी में प्रतिष्ठित गंगा आरती के लिए पीएम आबे की मेजबानी करके इस गर्मजोशी और फ्रेंडली जेस्चर को आगे बढ़ाया। उन्होंने दशाश्वमेध घाट पर प्रार्थना की और गंगा आरती देखी।

एक संगोष्ठी में अपने विचार साझा करते हुए जापानी प्रधानमंत्री ने गंगा आरती समारोह को शानदार बताया था। पीएम आबे ने आगे कहा, ÷मां गांगा नदी के तट पर, जैसा कि मैंने खुद को संगीत और आग की लयबद्ध गति में खो जाने दिया, मैं एशिया के दोनों छोरों को जोड़ने वाले इतिहास की अथाह गहराई से चकाचौंध था। प्रधानमंत्री आबे ने स्वीकार किया कि वाराणसी ने उन्हें समासरा की याद दिला दी, एक ऐसी शिक्षा जिसे जापानियों ने भी प्राचीन काल से महत्व दिया है।

सितंबर 2017 में जब पीएम आबे भारत आए थे। दोस्ती को आगे बढ़ाते हुए पीएम मोदी ने 2017 में अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पीएम शिंजो आबे की अगवानी के लिए प्रोटोकॉल तोड़ा, जब वह 12वें भारत जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए पहुंचे। स्वागत समारोह के तुरंत बाद, पीएम आबे, उनकी पत्नी और पीएम मोदी ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए साबरमती आश्रम के लिए एक खुली छत वाली जीप में 8 किलोमीटर के रोड शो की शुरुआत की। बाद में उन्होंने सिदी सैय्यद की मस्जिद के साथ-साथ दांडी कुटीर का भी दौरा किया।

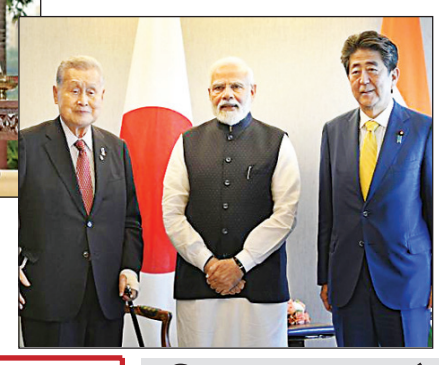

एक ऐतिहासिक क्षण आया, जब दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से अहमदाबाद और मुंबई के बीच भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना की आधारशिला रखी। पीएम मोदी ने परियोजना के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता के लिए पीएम आबे का आभार व्यक्त किया।

2018 में पीएम आबे ने सुरम्य यामानाशी प्रान्त में पीएम मोदी की मेजबानी की। इतना ही नहीं, उन्होंने यामानाशी में कावागुची झील के पास अपने निजी घर में पीएम मोदी की मेजबानी की थी।

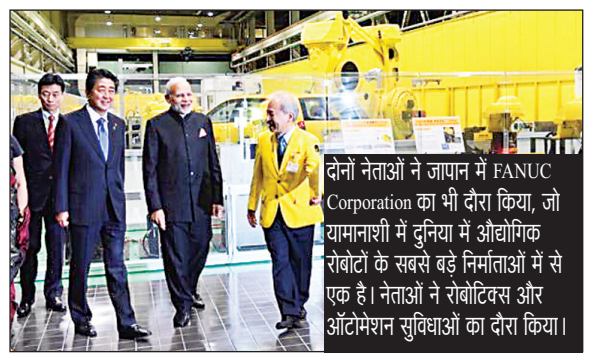

दोनों नेताओं ने जापान में FANUC Corporation का भी दौरा किया, जो यामानाशी में दुनिया में औद्योगिक रोबोटों के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक है। नेताओं ने रोबोटिक्स और ऑटोमेशन सुविधाओं का दौरा किया।

2019 में केवल चार महीनों की अवधि में वे ओसाका (जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान), व्लादिवोस्तोक (पूर्वी आर्थिक मंच के दौरान) और बैंकॉक (भारत-आसियान और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन) में तीन बार मिले।

2020 के मध्य में जब बीमारी के कारण श्री आबे ने जापान के प्रधानमंत्री का पद छोड़ दिया, तो पीएम मोदी ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस पर श्री आबे ने कहा था कि वह पीएम मोदी के जेस्चर से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने उनके भावपूर्ण शब्दों के लिए धन्यवाद दिया।

हाल ही में क्वाड समिट के लिए पीएम मोदी की जापान यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने एक बार फिर पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे से मुलाकात की, जहां उन्होंने भारत-जापान साझेदारी के व्यापक कैनवास के साथ-साथ सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।

खबरें उत्तर प्रदेश की

सदस्य वित्त, रेलवे बोर्ड ने किया उमरे का दौरा

प्रयागराज, (ब्यूरो)। सदस्य वित्त, रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली मोहित सिन्हा ने आज उत्तर मध्य रेलवे का दौरा किया। इस अवसर पर सदस्य वित्त, मोहित सिन्हा ने उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में एक बैठक की और महाप्रबंधक और सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों/ विभागाध्यक्षों को संबोधित किया। उन्होंने क्षेत्रीय रेलवे को बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित रेलवे की प्रमुख परियोजनाओं और सभी इकाइयों को इन परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। बैठक के दौरान मंडल से संबंधित गतिशक्ति, स्टेशन विकास, उच्च घनत्व गलियारे आदि परियोजनाओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर बोलते हुए महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने सदस्य वित्त को एनसीआर की उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया।

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रयागराज, (ब्यूरो)। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि कार्यों में लापरवाही या उदासीनता किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड में नियमित रूप से भ्रमण करने एवं डायरी अपडेट करते हुए उसमें भ्रमण से सम्बंधित विषयों का अनिवार्य रूप से उल्लेख किए जाने का निर्देश दिया है। पेयजल परियोजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति खराब पाये जाने पर जल निगम के दो सहायक अभियंताओं का वेतन रोके जाने का निर्देश दिया है।

खनन विभाग की समीक्षा, सीएम योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने लखनऊ मे खनन विभाग के कार्यों की समीक्षा की तथा दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सतत प्रयासों से प्रदेश में खनन संबंधी कार्यों में पारदर्शिता आई है। आमजन हों या पट्टाधारक अथवा ट्रांसपोर्टर, सभी की सुविधा का ध्यान रखते हुए अनेक अभिनव प्रयास किए गए हैं। खनन कार्य से जुड़े सभी हितधारकों के लिए पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित हो। यह सुनिश्चित करें कि खनिजों/उप खनिजों के मूल्य नियंत्रण में रहें। लगातार प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2022-23 में गत वर्ष की तुलना में माह जून तक 168 करोड़ अधिक राजस्व की प्राप्ति हुई है। यह प्रगति संतोषजनक है। चालू वित्तीय वर्ष के लिए खनन कार्यों से 4,860 करोड़ रुपए राजस्व संग्रह का लक्ष्य है। तदनुरूप आवश्यक प्रयास किए जाएं।

प्रयागराज में 67वें रेल सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज, (ब्यूरो)। प्रथम भारतीय रेल 16 अप्रैल 1853 को बोरीबंदर से थाने के बीच चली थी, इसी उपलक्ष में प्रत्येक वर्ष अप्रैल माह में रेल सप्ताह समारोह मनाया जाता है। वित्तीय वर्ष के दौरान अच्छा कार्य करने वाले अनुभागों एवं स्टेशन को दक्षता शील्ड तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को व्यक्तिगत तथा सामूहिक पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाता है। इसी क्रम में शुक्रवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित मंडल सभागार में 67 वाँ रेल सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंडल रेल प्रबंधक रेल प्रबंधक, प्रयागराज मण्डल मोहित चंद्रा, अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन, प्रयागराज मंडल अंजली अग्रवाल, अपर मण्डल रेल प्रबंधक/ सामान्य, इन्फ्रा एवं परिचालन तथा वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं गणेश वंदना के साथ हुआ। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी उपस्थित रहे।

रामनगर में पर्यटकों की कार नदी में बही

नौ की मौत, एक घायल

नैनीताल (एजेंसी)। उत्तराखंड के रामनगर में शुक्रवार को पर्यटकों की एक कार के नदी में बह जाने से नौ लोगों की मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया है।मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार तड़के सुबह पंजाब से आए पर्यटकों की कार कार्बेट पार्क से सटे ढेला बरसाती नाले में बह गयी। पानी का बहाव अधिक होने के चलते कार काफी दूर तक बह गई, जिससे कार में सवार नौ लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल को रामनगर अस्पताल में उपचार के लिये भर्ती कराया गया है। नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पंकज भट्ट ने बताया कि नौ लोगों की मौत की पुष्टि की है। मृतकों में चार पटियाला के हैं जबकि दो रामनगर के हैं तथा बाकी की अभी पहचान नहीं हो पायी है। सूचना मिलते ही रामनगर और ढेला चैकीक पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचावकार्य शुरू किया गया।

टेंडर घोटाले में हीरा भगत के आवास से ईडी को मिले दो करोड़ रुपए नगद

रांची, (एजेंसी)। झारखंड टेंडर घोटाले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के घर पर शुक्रवार सुबह से ईडी की छापेमारी चल रही है। ईडी की टीम ने साहेबगंज, बरहेट और राजमहल समेत कुल 18 जगहों पर सुबह पांच बजे से रेड करनी शुरू की थी। कार्रवाई में पंकज मिश्र के कई करीबी भी जद में आए।

बताया गया कि इसी बीच ईडी ने हीरा भगत के आवास से तकरीबन दो करोड़ रुपए नगद जब्त किए। सूत्रों के मुताबिक, जब्त नगदी की काउंटिंग अभी जारी है, ये दो करोड़ रुपए हो सकते हैं। ये रुपए अवैध माइनिंग घोटाले से जुड़े हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम सुबह पांच बजे से ही पंकज मिश्रा के अलग-अलग ठिकानों छापेमारी कर रही है।

पंकज मिश्रा के अलावा उनके करीबी कहे जाने वाले मिर्जाचौकी स्थित कारोबारी राजू, पतरु सिंह और ट्विंकल भगत के घर पर भी ईडी का छापा पड़ा है। इसके अलावा बरहरवा में भी कृष्णा साह समेत तीन पत्थर व्यवसायियों के यहां भी ईडी ने रेड मारी है।

हिंसक हमले के बारे में सुन हम स्तब्ध : यूएसए

व्हाइट हाउस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा गया कि जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के खिलाफ हिंसक हमले के बारे में सुनकर हम स्तब्ध और दुखी हैं। हम रिपोर्ट की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। हमारे विचार उनके परिवार और जापान के लोगों के साथ हैं।

कांग्रेस ने की आबे पर हुए हमले की निंदा: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी शिंजो आबे पर हुए हमले की निंदा की। वह बोले कि शिंजो आबे पर हुए हमले के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं। उन्होंने भारत-जापान रिश्तों को मजबूत किया था। उनके जल्द ठीक होने की कामना करता हूं।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह बोले-मेरे प्यारे दोस्त पर हुए हमले की बात सुनकर मैं दुखी : शिंजो आबे पर हमले के बाद पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि मेरे प्यारे दोस्त पर हुए हमले की बात सुनकर मैं दुखी हूं।

रूस ने हमले को बताया आतंकवादी कृत्य : रूस ने शुक्रवार को कहा कि जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे पर हमला आतंकवादी कृत्य है, जिसे सही नहीं ठहराया जा सकता। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने अपने बयान में कहा,''हमें विश्वास है कि जिन लोगों ने इस जघन्य अपराध की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया, उन्हें आतंकवाद के इस कृत्य के लिए उचित दंड दिया जाएगा, जिसका कोई औचित्य नहीं है और न ही हो सकता है। श्री आबे की आज यहां एक पूर्व नौसैनिक ने गोली मार कर हत्या कर दी।क्योतो के निकट नारा शहर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते समय 41 वर्षीय हमलावर ने श्री आबे को नज़दीक से गोली मार दी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने पद्म विभूषण से अलंकृत शिंजो आबे के निधन पर दु:ख व्यक्त किया- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के निधन पर दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्व. शिंजो आबे ने वैश्विक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तनों के लिए कार्य किया। भारत ने एक महान मित्र और साथी खो दिया है। श्री आबे को गत वर्ष भारत सरकार ने पद्म विभूषण प्रदान किया था, जो किसी अन्य राष्ट्र प्रमुख को बहुत कम मामलों में दिया जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ मित्रता का निर्वाह किया। भारत और जापान के मध्य दो तरफा सहयोग में काफी वृद्धि हुई। वे अनेक बार भारत भ्रमण पर आए। उन्होंने अपने देश में जो आर्थिक सुधार लागू किए, उसकी काफी प्रशंसा हुई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ईश्वर से शिंजो आबे की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि दु:ख की इस घड़ी में भारतवासी जापान के भाई -बहनों के साथ हैं।

जापान के पीएम ने रोका प्रचार , कहा- हमला कायराना और बर्बर : किशिदा हमले के बाद जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और उनके कैबिनेट मंत्री देशभर में अन्य प्रचार अभियानों को बीच में रोक कर टोक्यो लौट आए। किशिदा ने इस हमले को कायराना और बर्बर बताया और कहा कि चुनावी अभियान के दौरान हुआ यह अपराध पूरी तरह अक्षम्य है।

50 साल से भारत में रह रही महिला ने किया बंबई हाईकोर्ट का रुख

नागरिकता पाने के लिए बरसों इंतजार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बिना किसी नागरिकता दस्तावेज या भारतीय पासपोर्ट के भारत में 50 साल से अधिक समय से रह रही 67 वर्षीय एक महिला ने शुक्रवार को बंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और केंद्र सरकार को उन्हें नागरिकता प्रदान करने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

भारतीय मूल की महिला इला पोपट ने न्यायमूर्ति एसवी गंगापुरवाला की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष दायर अपनी याचिका में दावा किया कि वह पूर्वी अफ्रीका के युगांडा में पैदा हुई थीं और 1956 में अपनी मां के भारतीय पासपोर्ट पर भारत आईं, उस समय वह दस साल की थीं। याचिका के मुताबिक, अंधेरी निवासी इला ने 10 साल बाद एक भारतीय नागरिक जतीन पोपट से शादी की और अब उनके दो बच्चे और कई पोते-पोतियां हैं तथा वे सभी भारतीय नागरिक हैं।

इला ने हालिया वर्षों के दौरान तीन बार भारतीय पासपोर्ट के लिए आवेदन किया, लेकिन दस्तावेजों की कमी के कारण हर बार उनका अनुरोध अस्वीकार कर दिया गया। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि वर्ष 2018-19 में अधिकारियों ने उनसे कहा था कि उन्हें भारतीय पासपोर्ट प्राप्त करने से पहले भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करना चाहिए।इसके अनुसार, 2019 में याचिकाकर्ता ने नागरिकता के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था, लेकिन अधिकारियों ने उनके वीजा विवरण में एक 'खामी' के कारण उसे खारिज कर दिया।

केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील अद्वैत सेठना ने हाईकोर्ट से कहा कि इला को नागरिकता तभी दी जा सकती है, जब वह अपना जन्म प्रमाण पत्र या कोई अन्य ऐसा दस्तावेज जमा करें, जिससे उनके जन्मस्थान और वह भारत कैसे आई, इसकी पुष्टि की जा सके।

सेठना ने सुझाव दिया कि याचिकाकर्ता युगांडा में दूतावास से संपर्क करके उनसे आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर सकती हैं। उच्च न्यायालय ने अगली सुनवाई 22 अगस्त के लिए सूचीबद्ध की। पीटिशन के अनुसार धारा 5(1)(सी) सीटिजनशिप एक्ट के तहत रजिस्ट्रेशन के शादी के सात साल बात भारतीय नागरिकता के लिए दावेदार होते है।